छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 16 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 03 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

1.91 करोड़ की लागत से बन रही सड़क में झाड़ू फेरने से उखड़ रही गिट्टियां

जनमन सड़क योजना में भ्रष्टाचार, जिम्मेदार मूकदर्शक बने तमाशा देख रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। प्रधानमंत्री जनमन सड़क योजना के अंतर्गत बलरामपुर जिले के कुसमी क्षेत्र में बन रही सड़क ने निर्माण के दौरान ही अपनी गुणवत्ता की पोल खोल दी है। धनेशपुर से छुराकोना तक लगभग 1 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जा रही यह डामरीकृत सड़क बनते-बनते उखड़ने लगी है। हालात देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के नाम पर केवल काले डामर की पुताई कर ऊपर से गिट्टी का छिड़काव कर दिया गया है। न तो आधार मजबूत किया गया और न ही मानकों का पालन किया गया। सड़क की हालत देखकर यह आशंका गहराने लगी है कि बरसात की पहली बारिश ही इसे बहा ले जाएगी।

मानकों की खुलेआम कर रहे अनदेखी

स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण में 60 एमएम की गिट्टी और सीमेंट में स्टोन डस्ट का उपयोग किया गया है। गुणवत्ता नियंत्रण पूरी तरह से नदारद नजर आ रहा है, जिससे स्पष्ट होता है कि निर्माण कार्य को जानबूझकर कमजोर रखा गया है। यह सड़क कोरवा बहुल क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। दुर्गम इलाकों में रहने वाले कोरवा-पंडो जनजाति के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली-पानी और शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार ने सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना को मजाक बनाकर रख दिया है।

सरकारी मंशा पर पानी फेरते जिम्मेदार

जनमन योजना के माध्यम से आदिवासी अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की सरकार की मंशा पर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों ने पानी फेर दिया है। यदि समय रहते इस निर्माण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह योजना कागजों तक ही सिमट कर रह जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों की राशि आखिर किसकी जेब में जा रही है और जनता के पैसों की इस खुली लूट पर प्रशासन कब तक आंख मूंदे रहेगा।

उप अभियंता ने फोन नहीं किया रिसीव

उप अभियंता गोपाल सिंह सिदार से घटिया सड़क निर्माण को लेकर फोन के माध्यम से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

ग्रामीणों ने कहा-सड़क बना कमाई का जरिया

ग्रामीण सुरेश सिंह ने बताया कि सड़क एक तरफ से बन रहा है और दूसरे तरफ से उखड़ रहा है। यहां से विधायक भी घूम कर गई हैं लेकिन अभी तक कुछ भी कार्रवाई नहीं हुआ है। यहां कई साल के बाद सड़क निर्माण हो रहा है, वह भी घटिया। समझ में नहीं आ रहा है कि सड़क बन रहा है या फिर सिर्फ लोगों को कमाने का जरिया है यह। ग्रामीण प्रभु राम ने कहा डामरीकरण में पतला-पतला डामर का पुताई किया गया है। अगर इस रास्ते से बड़ा गाड़ी चले तो धूल उड़ने लगेगी। गांव में अगर सड़क बनवा रहे हैं तो अच्छा बनाया जाए। इसे लेकर जनप्रतिनिधियों के समक्ष कई बार सवाल उठाया गया है, जो केवल चुनाव में आते हैं। इन्हें सड़क को देखने की फुर्सत नहीं है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलता है।

हॉट प्लांट दूर रहने से मटेरियल हो रहा ठंडा

सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष इंजीनियर ने कहा कि सरपंचों से मिली जानकारी पर उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, आदिवासी न्याय योजना के तहत बन रही सड़क की हालत बेहद खराब है। सड़क उखड़ रहा है ग्रामीण विरोध भी कर रहे हैं। टेक्निकली बात यह है कि हॉट प्लांट निर्माण कार्य स्थल से 50 किलोमीटर के दायरे में होना चाहिए, लेकिन बाहर से ठंडा मटेरियल लाया जा रहा है। ऐसे में इसकी क्वालिटी का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा मैं खुद एक इंजीनियर हूं, इसीलिए इन सब चीजों को जानता हूं। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और गुणवत्ता विहीन सड़क माफी योग्य नहीं है।

पैदल चलने के लिए बन रहा रोड

नगर पंचायत कुसमी के राजेंद्र भगत ने कहा कि इस क्षेत्र में गुणवत्ताहीन सड़कें बन रही हैं। उंगली से सड़क उखड़ जा रही है। केंद्र सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रपति के दत्तक पुत्रों के लिए है। जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे थे, उन्होंने ग्रामीणों को कह दिया कि कोरवा लोगों के पैदल चलने के लिए रोड बन रहा है। इस्टीमेट में ही ऐसा है, इसीलिए ऐसा रोड बन रहा है।

औचक जांच में आंगनबाड़ी केंद्र मिले बंद, शिकायतों का मिला अम्बार

कार्यकर्ता को पद से पृथक करने की जा रही कार्रवाई, सहायिका को चेतावनी पत्र, सेक्टर सुपरवाइजर को नोटिस

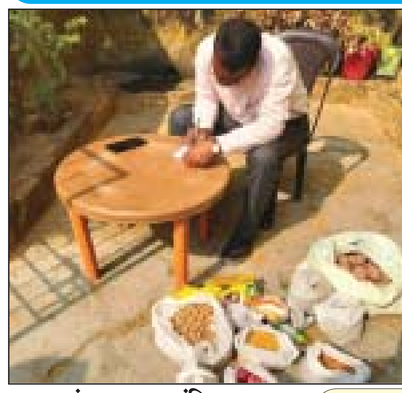

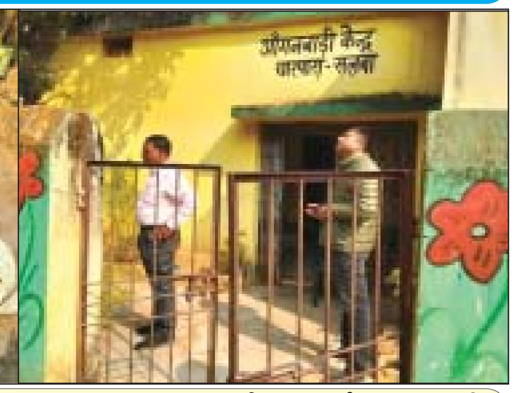

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला बाल विकास परियोजना उदयपुर अंतर्गत सेक्टर डांडगांव के आंगनबाड़ी केन्द्र चारपारा-सलवा एवं डांडगांव बाजारपारा के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी जेआर प्रधान औचक केन्द्र में पहुंचे। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र चारपारा-सलवा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित पाई गईं, परन्तु केन्द्र में एक भी हितग्राही उपस्थित नहीं पाए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कार्यकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्र डांडगाव हरिजनपारा बाजारपारा के निरीक्षण दौरान केन्द्र बंद पाया गया, साथ ही कार्यकर्ता एवं सहायिका केन्द्र में उपस्थित नहीं पाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि कार्यकर्ता नियमित रूप से केन्द्र नहीं आती है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा रेडी टू ईट फूड एव गर्म भोजन भी नियमित प्रदाय नहीं किया जाता है। आंगनबाड़ी केन्द्र मे मिलने वाली रेडी टू ईट फूड एवं गर्म भोजन की सामग्री को कार्यकर्ता अपने घर पर रखती है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि आंगनबाड़ी सहायिका बच्चों को बुलाने नहीं जाती हैं। निरीक्षण के दौरान शिशुवती महिला से भी चर्चा की गई। महिला द्वारा बताया गया कि उन्हें नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में रेडी टू ईट प्राप्त नहीं होता है। 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों के अभिभावकों से चर्चा करने पर उनके द्वारा बताया गया कि उनके बच्चों के लिए भी रेडी टू ईट नहीं मिलता है। उक्त शिकायतों के आधार पर आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता को पद से पृथक करने की कार्रवाई की जा रही है एवं आंगनबाड़ी सहायिका को चेतावनी पत्र तथा सेक्टर सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिला पंचायत सदस्य ने जताई नाराजगी

जिला पंचायत सदस्य एवं महिला बाल विकास समिति की सभापति राधा रवि ने आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बरती जा रही लापरवाही पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। विशेष रूप से ग्राम पंचायत डांडगांव हरिजनपारा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केशरानी की अनदेखी से गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं और छोटे बच्चों को पोषण आहार का नहीं मिलना, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं से वंचित होना पाया गया है। उन्होंने इसे सामाजिक उत्तरदायित्व की घोर उपेक्षा बताते हुए जिला प्रशासन व महिला बाल विकास विभाग से नियमित जांच, जवाबदेही तय करने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आंगनबाड़ी के संचालन में सुधार नहीं हुआ तो योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने ठोस कदम उठाया जाएगा।

गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व तैयारी हेतु बैठक 12 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आगामी 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व तैयारियों के संबंध में कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में जिला अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक 12 जनवरी, सोमवार को समयसीमा बैठक के पश्चात कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में होगी। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियों, दायित्वों के निर्धारण एवं समन्वय संबंधी विषयों पर चर्चा की जाएगी। संबंधित समस्त जिला अधिकारियों की उपस्थिति बैठक में अनिवार्य रखी गई है।

कलेक्टर औचक पहुंचे दरिमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निर्माण कार्य में देरी पर हुए नाराज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दरिमा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट सहित अन्य भवनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर असंतोष व्यक्त किया और निर्माण एजेंसी सीजीएमएससी को कार्य में तत्काल प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही यहां ऑपरेशन थियेटर (ओटी) को शीघ्र फंक्शनल किया जाए। ऑपरेशन थियेटर में आवश्यक उपकरणों की मांग राज्य कार्यालय को शीघ्र प्रेषित करने के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि मरीजों को समय पर निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध हों। उन्होंने संस्थागत प्रसव में महिलाओं को प्रदान किए जाने वाली 1400 रुपये की सहायता राशि समय पर दिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि कोई भी प्रकरण लंबित ना रहे। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी-कर्मचारी समय पर उपस्थित रहें, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मरीजों को प्रदाय किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर द्वारा संस्था प्रभारी को निर्देशित किया गया कि मरीजों को निर्धारित मीनू के अनुसार ही भोजन उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त रामपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं बड़ादमाली क्षेत्र में मानव संसाधन की कमी की जानकारी प्राप्त होने पर कलेक्टर ने जिला स्तर पर आवश्यक पदों की पूर्ति सुनिश्चित करने तथा शेष पदों की मांग राज्य कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में मौसम बना रहेगा शुष्क, कुछ हिस्सों में शीतलहर की वापसी का संकेत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दक्षिण-पश्चिमी उत्तरप्रदेश एवं उसके आसपास के वायुमण्डल में 3.1 किमी की ऊंचाई के स्तर का एक पश्चिमी विक्षोभ के चक्रवाती परिसंचरण और इससे प्रेरित 5.8 की ऊंचाई के क्षोभमंडल तक विस्तृत द्रोणिका के प्रभावी होने कारण देश के उत्तरी से मध्य क्षेत्र तक बादलों की आवाजाही बनी हुई है। इसके साथ साथ बंग्लादेश और उप हिमालयन पश्चिम बंगाल के ऊपर भी एक चक्रवाती परिसंचरण देखा जा रहा है।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट का कहना है कि इनके प्रभाव से उत्तर भारत के राज्यों में कुछ स्थानों में वर्षा और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। उत्तरी छत्तीसगढ़ पर भी बादलों की आवाजाही के साथ कुछ स्थानों में दो दिनों तक हल्की बौछार की घटना संभावित रहेगी। न्यूनतम तापमान में प्रारम्भिक वृद्धि और विक्षोभ के गुजरने या कमजोर पड़ने के बाद तेज गिरावट दर्ज की जाएगी। कोहरे की स्थिति अनेक क्षेत्रों में अत्यधिक सघन के स्तर पर पहुंचने और कुछ हिस्सों में पुनः शीतलहर की वापसी की स्थिति निर्मित हो सकती है। उत्तरी छत्तीसगढ़ का मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहेगा। शुक्रवार को मौसम में आई अचानक तब्दीली के बाद शाम को ठंड का तीखा तेवर देखने को मिला। गर्म कपड़ों को पहनने के बाद भी अलाव का सहारा लोगों को लेना पड़ा।

संविधान, सद्भाव और सामाजिक न्याय ही भारत की आत्मा-टी.एस. सिंहदेव

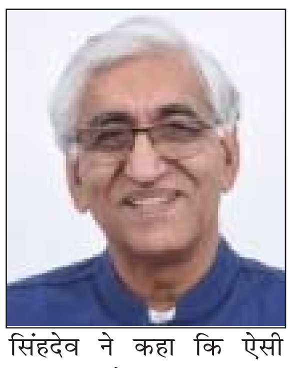

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने नववर्ष 2026 के अवसर पर देश और प्रदेशवासियों के नाम जारी अपने संदेश में कहा कि भारत की मूल आत्मा सर्वधर्म समभाव, सहिष्णुता और सामाजिक समरसता में निहित है। उन्होंने कहा कि बीता हुआ वर्ष 2025 सामाजिक चेतना के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, विशेषकर आदिवासी अंचलों में बढ़ते वैमनस्य और टकराव की घटनाएं छत्तीसगढ़ की शांति-प्रिय परंपरा के विपरीत हैं। टी.एस. सिंहदेव ने स्पष्ट किया कि उनका यह वक्तव्य किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि एक संवैधानिक नागरिक और जनसेवक के रूप में है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की आत्मा समानता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित है। हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ती भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) और पहचान आधारित अपराधों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सिंहदेव ने कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल मानवता पर आघात है, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि भय, अफवाह और नफरत के आधार पर निर्मित राजनीति समाज को विभाजित करती है और विकास की गति को बाधित करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि है और प्रशासन की निष्पक्षता ही जनता के विश्वास की नींव है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के राजनीतिक या सामाजिक दबाव से मुक्त होकर केवल संविधान के अनुरूप कार्य करें। युवाओं से विशेष संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि सूचना-क्रांति के इस युग में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे भ्रामक सूचनाओं और नफरत फैलाने वाली विचारधाराओं से दूर रहकर संवाद, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी के सेतु बनें। अपने संदेश के अंत में सिंहदेव ने कहा है कि वर्ष 2026 में हमें मिलकर विभाजन की राजनीति को नकारते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता जैसे मूल मुद्दों पर केंद्रित एक समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

रोजगार का सपना टूटने पर माटीकला बोर्ड में महिलाओं ने किया हंगामा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत तेलईकछार अंतर्गत माटीकला बोर्ड शशिपुर में शुक्रवार को उस समय आक्रोश का अखाड़ा बन गया, जब वर्षों से यहां काम कर रहीं महिलाओं ने रोजगार से वंचित किए जाने का आरोप लगाते हुए काम पूरी तरह ठप कर दिया। हाथों में मिट्टी की जगह नाराजगी थी और चेहरों पर छलकता सवाल जब बोर्ड हमारे लिए बना था, तो हमें ही बाहर क्यों हुए। गौरतलब है कि यहां पर शुक्रवार की सुबह से ही बोर्ड परिसर में महिलाओं की भीड़ जुटकर कामकाज पूरी तरह बंद करा विरोध दर्ज कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लगातार अनदेखी और टूटे वादों से आहत महिलाएं किसी भी तरह की समझाइश के लिए तैयार नहीं हुईं। गौरतलब है कि 5 जुलाई 2020 को शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत माटीकला बोर्ड शशिपुर का शुभारंभ किया गया था। इस पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे। उद्देश्य साफ था कि ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोज़गार, आत्मनिर्भरता और हुनर का मंच देना था। शुरुआती दौर में यह केंद्र उम्मीद की मिसाल बना। मिट्टी के बर्तन, दीपक, सजावटी सामग्री का

निर्माण हुआ और बाजार तक पहुंच की बातें होने लगीं। लेकिन प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद धीरे-धीरे यह चमक फीकी पड़ती चली गई। कच्चे माल की कमी, तकनीकी सहयोग का अभाव और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में उत्पादन प्रभावित होता गया। महिलाओं का कहना है कि योजनाएं फाइलों में आगे बढ़ती रहीं, लेकिन जमीनी स्तर पर माटीकला बोर्ड भगवान भरोसे छोड़ दिया गया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व विकास अधिकारी ने सामग्री के अभाव का हवाला देकर काम बंद करा दिया था। उस समय कहा गया था कि जल्द ही व्यवस्था सुधरते ही काम दोबारा शुरू कराया जाएगा। महिलाएं इंतजार करती रहीं और घरेलू जिम्मेदारियों और आर्थिक तंगी के बीच उम्मीद थामे रहीं।

अब जब एक साल बाद काम दोबारा शुरू हुआ, तो उन्हीं महिलाओं को दरकिनार कर नए लोगों को काम पर रख लिया गया। इस फैसले ने वर्षों से जुड़े श्रमिकों के सब्र तोड़ दिया। महिलाओं का आरोप है कि पिछले महीने बोर्ड के प्रबंधक साकेत रजपुरिया जब शशिपुर आए थे, तब उन्होंने भरोसा दिलाया था कि 1 जनवरी से यहां काम शुरू कराया जाएगा और पुराने श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन नववर्ष आया, काम शुरू हुआ और प्राथमिकता किसी और को मिल गई। महिलाओं ने कहा कि हमने ही इस केंद्र को खड़ा किया, आज हमें ही बाहर कर दिया गया। इस पूरे मामले में स्थानीय प्रशासन और माटीकला बोर्ड प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि यदि समय रहते संवाद और पारदर्शिता होती, तो आज यह नौबत नहीं आती। महिलाओं ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि जल्द ही उन्हें पुन: काम पर नहीं लिया गया और माटीकला बोर्ड में व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। वे कलेक्टर कार्यालय तक ज्ञापन सौंपने और बड़े स्तर पर विरोध की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि माटीकला बोर्ड शशिपुर में पदस्थ विकास अधिकारी के साथ पिछले दिनों हुए विवाद के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था लेकिन वर्तमान में जो विकास अधिकारी को पदस्थ किया गया है, उनके द्वारा जानकारी दी गई है कि मेरे पास कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

एक वर्ष से नहीं जला भट्ठा

महिलाओं ने बताया कि यहां पर जो कच्चा सामान तैयार कर रखा गया है, उसे पकाने होते हुए एक वर्ष से यहां भट्ठा भी लकड़ी के अभाव में नहीं जल सका है। ऐसी स्थिति में यहां पर बड़ी मात्रा में कच्चे सामान पड़े हुए हैं। बोर्ड के जिम्मेदारों द्वारा यहां पर केवल कोरमपूर्ति कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर लिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से मिला सुरक्षित आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत पतरापारा के निवासी श्री चुमेश्वर वर्षों से कच्चे मकान में रह रहे थे। मौसम अनुसार बरसात में टपकती छत, सर्दियों की ठिठुरन और गर्मियों की तपन उनके परिवार के लिए हमेशा की मजबूरी रही। सीमित संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना बनकर रह गया था। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिली। समय पर राशि और सामग्री उपलब्ध होने से उनका मकान बनकर तैयार हुआ और आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित पक्के घर में रह रहे हैं। श्री चुमेश्वर भावुक होकर कहते हैं कि नए घर ने मुझे जीवन की सबसे बड़ी खुशी दी है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभारी हूँ। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित घर उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे अपना घर स्वयं बना सकें और गरिमामय जीवन जी सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) : स्थाई प्रतिक्षा सूची से 4668 अपात्र हितग्राहियों के नाम विलोपन की कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संचालनालय, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना विकास के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत अपात्र हितग्राहियों के नाम विलोपन संबंधी मार्गदर्शिका प्रेषित की गई है। जिसके परिपालन में भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-26 हेतु प्राप्त लक्ष्य के अंतर्गत विभिन्न कारणों से अपात्र पाए गए हितग्राहियों के नामों के विलोपन की कार्यवाही की जानी है।

जनपद पंचायतों से जनगणना 2011 सूची एवं आवास 10 आधारित स्थायी प्रतिक्षा सूची (पीडब्लूएल) से विभिन्न कारणों का उल्लेख करते हुए 4668 अपात्र हितग्राहियों का नाम विलोपन हेतु जिला पंचायत कार्यालय को उपलब्ध कराया गया है एवं हितग्राहियों का नाम आवास प्लस पोर्टल से विलोपन (रिमाण्ड) हेतु आवश्यक दस्तावेज अपलोड की जा रही है। जनपद पंचायत से प्राप्त सूची के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्थायी प्रतिक्षा सूची (पीडब्लूएल) से 4668 (बलरामपुर-917, कुसमी-988, राजपुर-532, रामचन्द्रपुर-825, शंकरगढ़-448, वाड्रफनगर-958) अपात्र हितग्राहियों का नाम संबंधित जनपद पंचायत के सूचना पटल पर प्रकाशित की गई है। यदि किसी हितग्राही अथवा व्यक्ति विशेष को आपत्ति हो तो जिला पंचायत कार्यालय में 09 जनवरी 2026 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है।

दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में हितग्राहियों का नाम आवास प्लस पोर्टल से विलोपन (रिमाण्ड) की कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।

जिला प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर में मौजूद भिक्षुकों तथा श्रद्धालुओं को वितरण किये गये कंबल

दंतेवाड़ा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन के तत्वाधान में नगर पालिका परिषद द्वारा शीत ऋतु की अधिकता को देखते हुए मंदिर परिसर में मौजूद भिक्षुकों, असहाय व्यक्तियों तथा जरूरतमंद श्रद्धालुओं को कंबल वितरित किये गये। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता एवं उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, एसडीएम लोकांश ऐल्मा, नायब तहसीलदार भादुराम धनकर उपस्थित थे।

भाजपा नीति मंच अल्पसंख्यक मोर्चा के इजराइल बने राष्ट्रीय मंत्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा नीति मंच के राष्ट्रीय संरक्षक रामकृष्ण भार्गव एवं उत्तर प्रदेश विधायक मिश्रिख के निर्देश पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष फत्तेउद्दीन खान कादरी की सहमति से राष्ट्रीय संगठन महामंत्री हर्ष माहेश्वरी द्वारा ग्राम पंचायत जयनगर निवासी मो. इसराईल को भाजपा नीति मंच अल्पसंख्यक मोर्चा संगठन में राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व सौंपा है। उक्त नियुक्ति से संगठन

कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री मो. इसराईल ने बताया कि भाजपा नीति मंच के राष्ट्रीय संगठन द्वारा मुझे राष्ट्रीय मंत्री का एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे मैं निष्ठापूर्वक लगन व मेहनत के साथ ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पंहुचाकर लोगों की जनाकांक्षाओं पूर्ण करने का अथक प्रयास करूंगा। अल्पसंख्यक वर्गों के लिए उनके उत्थान के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर एक विशेष कार्ययोजना के तहत भाजपा नीति मंच द्वारा आवश्यक पहल किए जाएंगे।

नियमों के उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत होगी कार्यवाही

★ परिवहन विभाग ने की यातायात नियमों के पालन की अपील

★ आम नागरिकों के लिए जारी महत्वपूर्ण सूचना

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु परिवहन विभाग द्वारा आम नागरिकों के लिए सूचना जारी की गई है।

बिना वैध दस्तावेज वाहन संचालन पर होगी चालानी कार्यवाही

जिला परिवहन अधिकारी ने जानकारी दी है कि बिना वैध फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, परमिट, पंजीयन क्रमांक प्लेट अथवा बिना पंजीयन के किसी भी प्रकार के वाहन का उपयोग न करें। ऐसे वाहनों का उपयोग करते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित वाहन स्वामी की होगी।

अन्य राज्यों से आये वाहनों पर रहेगी विशेष सख्ती

अन्य राज्यों से आए वे वाहन जो छत्तीसगढ़ राज्य का मोटरयान कर अदा किए बिना जिले में चलित हैं तो उनसे छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम एवं नियम, 1991 के अंतर्गत मोटर वाहन कर वसूला जाएगा। वाहन स्वामियों से अनुरोध किया गया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए समय रहते छत्तीसगढ़ राज्य का मोटर वाहन कर अवश्य रूप से जमा करें।

वाहन स्वामी टैक्स जमा करें या राज्य में वाहन का पंजीयन कराए

यदि कोई वाहन अन्य राज्य में पंजीकृत है, लेकिन वाहन स्वामी छत्तीसगढ़ का निवासी है तथा वाहन के पंजीयन प्रमाण पत्र में स्थायी पता छत्तीसगढ़ दर्ज है, तो यह माना जाएगा कि वाहन का उपयोग छत्तीसगढ़ राज्य में ही किया जा रहा है बिना छत्तीसगढ़ के टैक्स पटाए तो ऐसी स्थिति मे टैक्स जमा नहीं होने पर पंजीयन तिथि से वाहन पकड़े जाने की तिथि तक का मोटरयान कर वसूला जाएगा। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि अन्य राज्यों में पंजीकृत वाहनों के लिए या तो छत्तीसगढ़ राज्य का मोटरयान कर अदा करें, अथवा संबंधित राज्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य में वाहन का पंजीयन कराएं। उन्होंने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने एवं वैध दस्तावेजों के साथ ही वाहन संचालन करने की अपील की है।

किसानों के हित में प्रशासन सतर्क

सतत् निगरानी से अंतर्राज्यीय अवैध धान तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। गत रात्रि राजस्व एवं पुलिस बल के संयुक्त कार्यवाही में अंतर्राज्यीय धान तस्करों द्वारा पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 0199 के माध्यम से धान तस्करी किया जा रहा था। वाहन में 60 बोरी अवैध धान लोड था।

पूछताछ करने पर उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के धान तस्करी में पाये गये कोचिये श्रवण कुमार, कृष्ण मोहन कुमार, विनय कुमार गुप्ता, राजदेव गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता, सत्यदेव गुप्ता, मनोज कुमार सभी सागोबांध, थाना बभनी, जिला सोनभद्र उत्तरप्रदेश एवं विकास ग्राम त्रिशुली थाना सनावल व विंध्याचल गुप्ता ग्राम पचावल थाना सनावल जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छत्तीसगढ़ की संलिप्तता पायी गयी। अंतर्राज्यीय गिरोह धान तस्करी में पाये गए श्रवण, कृष्णमोहन एवं विकास को आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3,7 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है तथा इस कार्य में सहयोग मुखबीरी किये जाने वाले व्यक्ति विनय गुप्ता, राजदेव गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता, मनोज गुप्ता, को

तत्काल 170,126,135 (3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। शेष 02 सहयोगी विंध्याचल गुप्ता एवं सत्यदेव गुप्ता को जो अपराधियों को छुड़ाने आये थे, उनके विरूद्ध धारा 126,135 (3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही की गयी है। जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन पर संयुक्त दलों द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत पूर्व में विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के अंतर्गत ग्राम कुर्लडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा अवैध धान परिवहन करने एवं किसानों के विभिन्न महत्वपूर्ण दस्तावेजों का दुरूपयोग करने पर 3, 7, आवश्यक वस्तु अधिनियम 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज किया गया।

प्रशासन की सतर्क एवं प्रभावी कार्यवाही से क्षेत्र में धान उपार्जन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है। सूचना तंत्र को व्यापक रूप से मजबूत किए जाने के परिणामस्वरूप अवैध धान परिवहन एवं अनियमित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। जिसमें अब तक जिले में कुल 118 प्रकरण में 14,173.29 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त 65 चार पहिया तथा 10 दोपहिया सहित कुल 75 वाहनों को जब्त किया गया है और 4 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है। प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है, जिससे किसानों में विश्वास का वातावरण बना है और समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है। प्रशासन द्वारा गाँव-गाँव में वालंटियर्स का गठन किया गया है, जो धान उपार्जन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करेंगे। धान खरीदी से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए संपर्क नम्बर 9343130794 पर सूचना दे सकते है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को भी सूचना दे सकते हैं। जिसका शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

प्रशासन ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अनियमित गतिविधि की सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी, जिससे जनभागीदारी के माध्यम से धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा सके।

तुंहर टोकन एप से आसान हुई धान खरीदी, किसानों के समय और श्रम दोनों की हो रही बचत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। शासन की इस किसान-हितैषी व्यवस्था ने खेतों में मेहनत करने वाले अन्नदाताओं को आर्थिक रूप से मजबूत किया है। मौसम की अनिश्चितताओं और कठिन परिश्रम के बीच तैयार की गई फसल का उचित मूल्य समय पर मिलने से किसानों के चेहरे पर संतोष और भरोसे की मुस्कान दिखाई दे रही है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की प्रक्रिया तेज, सुव्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से की जा रही है। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन टोकन व्यवस्था, सरल प्रक्रिया और समयबद्ध भुगतान ने किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा और असुविधा से मुक्त किया है।

डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और भरोसा दोनों बढ़े हैं। इसी क्रम में धान उपार्जन केंद्र रामचन्द्रपुर पहुंचे किसान श्री श्रवण सिंह ने 86.40 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि बीज, खाद, सिंचाई और श्रम पर आने वाली लागत के बाद जब उपज का उचित मूल्य समय पर मिलता है, तो किसान का भरोसा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि केंद्र में नमी परीक्षण, तौल और टोकन वितरण की पूरी प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी और व्यवस्थित है।

किसान श्री श्रवण ने विशेष रूप से तुंहर टोकन मोबाइल ऐप की सराहना करते हुए कहा कि इस डिजिटल सुविधा ने भीड़, लंबी कतारें और अनावश्यक इंतजार की समस्या को समाप्त कर दिया है। घर बैठे ऑनलाइन टोकन काट कर निर्धारित समय पर केंद्र पहुंचने से धान की खरीदी सुगमता से हो जाती है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों की सतत निगरानी की जा रही है। बेहतर प्रबंधन, डिजिटल प्रणाली और प्रशासनिक सक्रियता के कारण राज्य में धान खरीदी कार्य पूर्ण पारदर्शिता, गति और सुगमता के साथ संपन्न हो रहा है।

कलेक्टर उइके ने 22 आवेदकों की सुनी समस्याएँ

गरियाबंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर बीएस उइके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये नागरिकों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें को गंभीरतापूर्वक सुनी। कलेक्टर उइके ने आज जनदर्शन में 22 लोगों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर ही शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पात्र आवेदकों को नियमानुसार शासकीय योजनओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित आवेदन सौपते हुए आवेदनों को शीघ्र निराकरण के स्पष्ट निर्देश दिए। आज के जनदर्शन में ग्राम कुण्डेल के हरिराम पटेल ने मुरूम खनन रोकने, ग्राम घोघरा के जिवराखन साहू ने जमीन के बदले जमीन दिलवाने, गरियाबंद के खगेसर यादव ने आधार एवं परिचय पत्र में नाम सुधार करवाने, ग्राम चौबेबांधा के नीतम पाल ने बैटरी चलित ट्राईसाईकिल प्रदान कराने के लिए आवेदन सौंपा।

सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने नामांकन प्रक्रिया को दी गति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ का प्राचीन रत्न सिरपुर यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में प्रवेश करने को तैयार है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने नामांकन प्रक्रिया को रफ्तार दी है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के दौरे ने इसे केंद्र स्तर पर अपरिहार्य बना दिया है। नए वर्ष में अंतिम स्वीकृति की मजबूत संभावना है, जो राज्य को पहला विश्व धरोहर स्थल प्रदान करेगा। छठी शताब्दी से बहुधार्मिक शहरी केंद्र के रूप में प्रसिद्ध सिरपुर में बौद्ध, जैन, हिंदू और शैव-वैष्णव परंपराएं एक साथ विकसित हुईं। यहां लक्ष्मण मंदिर, बुद्ध विहार, प्राचीन आवासीय परिसर, बाजार और नदी घाटों सहित 125 से अधिक खुदाई स्थल मौजूद हैं, जिन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य पुरातत्व विभाग ने संयुक्त रूप से दस्तावेजित किया है। यूनेस्को टैग के लिए आवश्यक अंतर्राष्ट्रीय मानकों सुरक्षा, प्रस्तुति और आगंतुक प्रबंधन को पूरा करने हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य पर्यटन एजेंसियों ने सिरपुर का विस्तृत निरीक्षण पूरा कर लिया है। यह रिपोर्ट केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को प्रस्ताव को मजबूत बनाने के लिए भेजा गया है, जिसमें नवंबर 2025 तक सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की रिपोर्ट शामिल है। 01 जनवरी 2026 को शेखावत ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के साथ सिरपुर का दौरा किया। उन्होने लक्ष्मण देवालय, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला और हाट बाजार का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि मूल संरचना सुरक्षित रखें और कनेक्टिविटी बढ़ाएं। शेखावत ने कहा कि सिरपुर को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने का प्रयास जारी है। उन्होने आगे कहा कि सिरपुर एक ऐतिहासिक नगर है, जो कभी इस प्रदेश की राजधानी हुआ करती थी, सिरपुर में आकर यहां की पुरासंपदा को देखना, एक हजार साल की यहां की विकास यात्रा को देखना समझना और इस गौरवशाली अतीत को अनुभव करना निश्चित रूप से मन मे, शरीर में एक स्पंदन पैदा करता है। यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है कि इन सब का दर्शन करने का, अपने पुरखों के इतिहास और उनके गौरव को देखने और समझने का

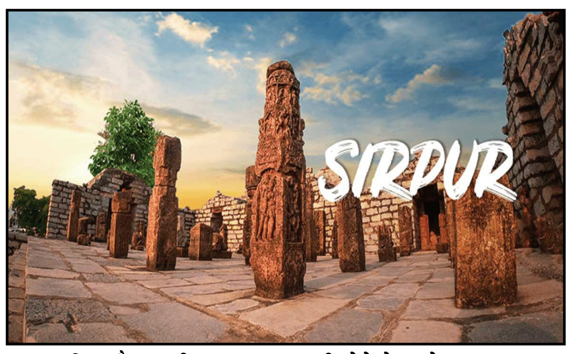

अवसर मिला है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का यह स्थान देश में स्थित 140 केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों में से एक है, जिसके संरक्षण के लिए यहां के पुरासंपदा का रखरखाव हो सके इसके लिए भारत सरकार व राज्य सरकार मिलकर काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र की और इस जगह की जितनी महत्ता है, उसके अनुरूप अभी यहां पर्यटन विकास की बहुत अधिक संभावनाएं हैं। मैं पर्यटन मंत्री होने के नाते कह सकता हूं कि इस जगह को यदि ठीक से कनेक्टिविटी दी जाए और ठीक से यहां पर्यटन की मूलभूत सुविधाएं का विकास किया जाए तो निश्चित रूप से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ पर्यटन की दृष्टि से एक नया स्वरूप प्राप्त करेगा। छत्तीसगढ़ की पहचान एक समृद्ध, ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक संपदा वाले प्रदेश के रूप में बन रही है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ पर्यटन गतिविधियों का केन्द्र बने इस दृष्टिकोण से सिरपुर बहुत महत्वपूर्ण है। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री का यह दौरा राज्य सरकार की रिपोर्ट को मजबूत करता है, क्योंकि सिरपुर 140 संरक्षित स्मारकों में शुमार है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सिरपुर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा है। यूनेस्को मान्यता से वैश्विक पहचान मिलेगी, पर्यटन बढ़ेगा और स्थानीय युवाओं के लिए हजारों रोजगार सृजित होंगे। उनके निर्देश पर सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ 125 खुदाई स्थलों का मास्टर प्लान तैयार किया। इसमें लक्ष्मण मंदिर, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला, गंधेश्वर मंदिर सहित प्रमुख साइटें शामिल हैं। नवंबर 2025 की रिपोर्ट केंद्रीय मंत्रालय पहुंच चुकी है, दिसंबर में अंतिम समीक्षा हुई। वहीं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा की सिरपुर को वैश्विक पर्यटन हब बनाएंगे। बैटरी ई-कार्ट, 3डी इंटरप्रेटेशन सेंटर, होमस्टे क्लस्टर, हेरिटेज शटल और गाइडेड वॉक शुरू हो रहे हैं। चार हेरिटेज सर्किट, बौद्ध विहारों से लक्ष्मण मंदिर तक जोड़ेंगे। सड़क उन्नयन, डिजिटल साइनेज, स्वच्छता और सर्किट मैनेजमेंट पर कार्य किया जा रहा है। स्थानीय लाभ के लिए गाइड ट्रेनिंग, हस्तशिल्प बाजार और ईको-फ्रेंडली स्टे पर जोर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सिरपुर दक्षिण कोसल की राजधानी थी। लक्ष्मण मंदिर सिरपुर का सबसे प्रसिद्ध और पुरातन हिंदू मंदिर है, जो 6वीं-7वीं सदी में बनाया गया था। यह भगवान विष्णु को समर्पित है और प्रमुख रूप से लाल ईंटों से निर्मित है। रानी वासटादेवी ने इसे अपने पति राजा हर्षगुप्त की स्मृति में बनवाया था इसे एक प्रेम कथा का प्रतीक भी माना जाता है। तिवरदेव विहार एक प्राचीन बौद्ध विहार है, जो 7वीं-8वीं सदी का बताया जाता है। यह बड़े पैमाने पर ईंटों का बना हुआ था और खुदाई में इसका अवशेष मिला है। बौद्ध संप्रदाय से जुड़ा यह विहार सिरपुर में बुद्ध के अनुयायियों द्वारा ध्यान, शिक्षा और धार्मिक क्रियाओं के लिए उपयोग में लाया गया था। आनंद प्रभु कुटी विहार सिरपुर का एक प्रमुख बौद्ध स्थल है, जिसे भिक्षु आनंद प्रभु द्वारा स्थापित किया गया था। यह विहार 14 कमरे वाला एक बड़ा बौद्ध मठ है, जिसमें एक मुख्य प्रवेश द्वार और सुंदर नक्काशीदार स्तंभ पाए गए हैं।

देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरता छत्तीसगढ़ : श्री शेखावत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़ इस संकल्प के साथ में हम सब लोग काम करेंगे ऐसा भरोसा और विश्वास आप सबको दिलाते हुए आप सबको बहुत सारी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न किया गया। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद कल सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से

आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है। साथ ही रोजगार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में हजार्ने की गारंटी भी इस योजना में शामिल की गई है। उन्होंने इसे ह्यमोदी की गारंटीह्ल बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि भोरमदेव मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है और इस कॉरिडोर निर्माण के माध्यम से आने वाले हजार वर्षों तक इसे संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों से आग्रह किया कि 146 करोड़ रुपये की इस परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए, क्योंकि यह कार्य धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि एक हजार साल पुराने बाबा भोरमदेव के मंदिर विकास हेतु आज भूमिपूजन हुआ है जो बहुत ही हर्ष की बात है। सावन के महीने में यहां हजारों की संख्या श्रद्धालु कावड़िये अमरकंटक से माता नर्मदा का जल लेकर बाबा भोरमदेव का जलाभिषेक करते हैं जिनका स्वागत करने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के साथ मैं भी आया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन ने हर वर्ग के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। कवर्धा के जंगलों में वास करने वाले राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा जैसे प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों के लिए शासन द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारम्भ की गई है, जिससे अब गांव-गांव तक पक्की सड़कें, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे अनेक योजनाओं का लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है।

गोरखपुर डीएचएस पूरे प्रदेश में अव्वल, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निरंतर हो रही है समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गोरखपुर। जिले में सेहत से जुड़े संकेतांकों को लेकर अच्छी खबर है। गोरखपुर की जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) को पूरे प्रदेश में फिर से पहली रैंक मिली है। सीएमओ डॉ राजेश झा ने इसके लिए सभी को बधाई देते हुए अपेक्षा की है कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार के यह प्रयास जारी रहने चाहिए। उन्होंने गत तीस जनवरी को विकास भवन सभागार में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान यह जानकारी साझा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला विकास अधिकारी राज मणि वर्मा ने सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। सीएमओ डॉ झा ने बताया कि पूरे प्रदेश के डीएचएस की बैठकों की कार्यवृत्ति सहित अन्य संकेतांकों के आधार पर डीएचएस की रैंकिंग की जाती है। इस रैंकिंग में 71.72 फीसदी अंकों के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले और दूसरे तिमाही में गोरखपुर को पूरे प्रदेश में पहला स्थान मिला है। इस रैंकिंग में शासकीय निकाय की बैठकों, नियमित टीकाकरण संबंधी डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठकों और जिला ऑडिट कमेटी के बैठकों के स्कोर शामिल हैं। इससे पहले वर्ष 2024-25 में भी 71.41 फीसदी अंकों के साथ गोरखपुर की डीएचएस पूरे प्रदेश में अव्वल रह चुकी है। इसके लिए सभी जिला स्तरीय अधिकारी और डीपीएम पंकज आनंद सहित डीपीएमयू से जुड़े सभी लोग बधाई के पात्र हैं। सीएमओ ने बताया कि गत दिनों हुई डीएचएस में सैम्पल ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के विस्तार के बारे में भी चर्चा हुई। विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ अस्पतालों पर भी हार्मोनल जांच की सैम्पलिंग की तैयारी कर ली गई है। शीघ्र ही ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख अस्पतालों पर थॉयराइड जैसे हार्मोनल जांच की सुविधा भी दी जाएगी। फिलहाल शहर के दस अस्पतालों से सैम्पल ट्रांसपोर्ट की सुविधा दी जा रही है और मरीज को रिपोर्ट उनके मोबाइल पर भेज दी जाती है।

सरगुजा का राजनैतिक संघर्ष जारी है,,,,,

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यक्रम की सूचना 27 दिसम्बर को सरगुजा जिले में कांग्रेस कार्यकताओं के बीच चर्चा का विषय बनी और इतनी ठंड में भी राजनीतिक वातावरण में गर्मी बढ़ने लगी तब जब कांग्रेस स्थापना दिवस के दिन 28 तारीख को जिला कांग्रेस अध्यक्ष के बोल एक समुदाय विशेष के लिए बिगड़े तो जिला अध्यक्ष सरगुजा के खिलाफ मुस्लिम समुदाय के लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी । दूसरी तरफ अंबिकापुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेसीयों के यहां कहीं चाय पर कहीं नाश्ते पर और कहीं खाने पर सभी वर्ग,समुदाय के बीच जाकर सांप्रदायिक सौहार्द के दृष्टिकोण से मिल रहे थे, कार्यक्रम में भाग ले रहे थे लोग उत्साहित होकर आत्मीय स्वागत कर रहे थे। नमना कला में गुरप्रीत सिंह बाबरा के निवास में रात्रि भोज के आयोजन में हिन्दू मुस्लिम

सिक्ख ईसाई सभी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का हर्षोल्लास से स्वागत किया,जरहागढ़ में चाय पर इसी के साथ,मोमिनपुरा, केदारपुर, बौरीपारा ,नवापारा सर्किट हाउस में भी आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं दूसरी तरफ जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव के नगर प्रवास पर पूर्व की तरह ही जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दौरा कार्यक्रम सरगुजा में होता था तब भी जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा कार्यक्रम का बहिष्कार किया जाता था और आज भी वही हालात है जबकि सभी कार्यक्रमों में कांग्रेस के पदाधिकारीयों को आमंत्रित करने के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भाग ना लेकर कार्यक्रमों का बहिष्कार किया । राजनैतिक घटनाएं स्पष्ट संकेत देती हैं कि सरगुजा संभाग की 14 सीट हार जाने के बाद भी सरगुजा के नेताओं की मनमानी और तानाशाही पूर्ण रवैया में कोई फर्क नहीं पड़ रहा है यही देखते हुए संगठन सृजन अभियान के तहत जशपुर, एम सी बी कोरिया,बलरामपुर सूरजपुर के जिला अध्यक्ष बदल दिए गए क्योंकि लोग कांग्रेस के लिए नहीं व्यक्ति के लिए कार्य करते नजर आ रहे थे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री के सरगुजा और सूरजपुर प्रवास के दौरान लोगों ने बढ़ चढ़कर उत्साह पूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया जहां हजारों लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया वहीं दूसरी तरफ सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला बयान जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के अध्यक्ष ने कांग्रेस कार्यालय में ही बैठकर दिया उनके साथ कांग्रेस के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पदाधिकारी एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे । कांग्रेस अध्यक्ष ने मुस्लिम समुदाय के प्रति टिप्पणी से पूरे समुदाय को आहत किया यह कैसी विडंबना है कि एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सभी वर्गों समुदाय सभी धर्म के लोगों से मिलकर सांप्रदायिक सौहार्द की भावना से सदभावना पूर्वक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं ।वहीं दूसरी तरफ जिला अध्यक्ष सरगुजा दुर्भावना ग्रस्त बयानबाजी कर मुस्लिम समुदाय के लोगों की मानहानि करते नजर आ रहे हैं । पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अंबिकापुर और सूरजपुर के सभी कार्यक्रम कार्यक्रमों में कांग्रेस को मजबूती देने के इरादे से पूर्व मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम पूर्णतः सफल रहा ।सूत्रों से प्राप्त जानकारी है कि लोगों को कार्यक्रम में जाने से मना किया गया ।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उमड़ी भीड़, महापुरुषों की प्रतिमाओं संग ली सेल्फी

पार्क में 15 रुपये में मिलेगा प्रवेश, म्यूजियम का प्रवेश शुल्क 50 रुपये प्रति व्यक्ति, एलडीए व स्मारक समिति के पार्कों एवं स्मारकों में उमड़ा हुजुम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। नये साल के पहले दिन लखनऊवासी अपने पूरे परिवार के साथ घूमने निकले तो सभी पार्क लोगों से खचाखच भरे हुए दिखे। सबसे ज्यादा भीड़ की बात करें तो लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में लोगों की सबसे ज्यादा भीड़ आई। बसन्तकुंज योजना में नव निर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और महापुरूषों को नमन किया। युवाओं ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, पं. दीन दयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं संग सेल्फी ली।

इसी तरह गोमती नगर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल, ग्रीन ईको गार्डेन, लोहिया पार्क, हैप्पीनेस पार्क व यूपी दर्शन पार्क में भी भीड पहुंची। लोगों ने अपने परिवार व दोस्तों के साथ नये साल का जश्न मनाया। हजारों की संख्या में घूमने पहुंचे लोगों के चलते पार्क के बाहर भीषण भीड़ उमड़ पड़ी।

भारी भीड़ के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। सबसे अधिक भीड़ गोमती नगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में रही। यहां जुरासिक पार्क, मोशन चेयर को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में टिकट बिके। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि बसन्तकुंज योजना में 65 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 01 जनवरी से प्रेरणा स्थल को 15 रुपये के टिकट पर जन सामान्य के लिए खोला गया। शाम 6:00 बजे तक 12,397 लोगों ने प्रेरणा स्थल का भ्रमण किया, जिससे 1,22,740 रुपये की आय हुयी। उन्होंने बताया कि यहां निर्मित अत्याधुनिक म्यूजियम का प्रवेश शुल्क 50 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रेरणा स्थल में प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। इसी तरह एलडीए व स्मारक समिति के अन्य पार्कों एवं स्मारकों में भी लोगों का हुजूम उमड़ा। जिससे टिकटों की बिक्री के पुराने सभी रिकॉर्ड टूट गये। जनेश्वर मिश्र पार्क में 41,442 लोगों ने सैर-सपाटा किया, जिसकी टिकटिंग से 11,77,225 रुपए की आय हुयी। वहीं, गोमती नगर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में शाम 6:00 बजे तक 12,117 लोग पहुंचे, जिससे 3,02,925 रुपये की आय हुयी।

मा. श्री कांशीराम जी ग्रीन ईको गार्डेन में 6,400 लोग पहुंचे और 1.60 लाख रुपये के टिकट बिके। इसी तरह डालीगंज स्थित हैप्पीनेस पार्क (बुद्धा पार्क) में 3,700 और गोमती नगर स्थित यूपी दर्शन पार्क में 2,357 लोग पहुंचे। इसके अलावा गोमती नगर स्थित डॉ0 राम मनोहर लोहिया पार्क में 2,783 और नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एंड ग्रीन गार्डेन में 19,153 लोगों ने नये साल का जश्न मनाया। नये साल पर पार्क में अपने परिवार के साथ घूमने आए सुधा व राजेश ने बताया कि हम यहां न्यू ईयर सेलिब्रेट करने आए थे, लेकिन इतनी ज्यादा भीड़ कर कि दो घंटे तो सिर्फ गाड़ी पार्क करने में लग गए। टिकट काउंटर पर भी इतनी ज्यादा भीड़ है कि वहां भी करीब 1 घंटे लाइन में लगने के बाद टिकट मिला। जनेश्वर मिश्र पार्क घूमने पहुंचे लोगों की सबसे बड़ी दिक्कत टिकट लेना था, टिकट काउंटर पर हजारों की संख्या में लोग लाइन लगे थे, जल्दी टिकट लेने की आपाधापी में लोग लाइन तोड़ते नजर आ रहे थे, जिसके चलते भीड़ बेकाबू हो गए। अपने परिवार के साथ घूमने आए छोटे बच्चों के लिए न्यू ईयर सेलिब्रेशन की मस्ती सजा बन गई, भीड़ के बेकाबू होने पर छोटे बच्चे डर गए और रोने लगे। शाम को पार्क खाली कराने में सुरक्षा कर्मियों को परेशानी उठानी पड़ी।

सम्पादकीय

2026 में भी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2025 में हर मोर्चे पर सफलता हासिल की और सबसे तेज गति से आगे बढ़ती रही। हाल ही में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब भारत से आगे सिर्फ जर्मनी, चीन और अमेरिका ही हैं। वहीं, दुनिया की बड़ी आर्थिक संस्थाओं ने भारत की जीडीपी की चमकीली तस्वीर दिखाई है। अगर इसी गति से भारत आगे बढ़ता रहा तो अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को पछाड़ देगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। बता दें कि साल 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2% रही है। यह दिखाता है कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत ने महंगाई पर काबू पाया। वहीं, बेरोजगारी दर भी कम हुई। जीएसटी में छूट देने से लोगों के पास पैसा आया और भारतीय अर्थव्यवस्था ने नया मुकाम हासिल किया। तमाम रेटिंग एजेंसियों का मानना है कि 2026 में भी भारत जी-20 देशों में सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा। नवंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 0.71% पर आ गई। वहीं, नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर 4.7% रह गई है, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। देश में ग्रोथ रेट ऊंची है और महंगाई बेहद कम, इसे 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' कहा जाता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की रफ्तार से बढ़ेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, कर कटौती और ब्याज दरों में कमी से प्रेरित होगी। मूडीज ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक अनुमान लगाया है। एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में 6.5% की वृद्धि दर रहेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, निर्यात बाजारों में विविधीकरण और अनुकूल मौद्रिक नीति रुख से समर्थित होगी। मूडजी का अनुमान है कि भारत जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। फिच ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7.4% ग्रोथ का अनुमान जताया है। एडीबी ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 7.2% कर दिया है, जो मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और बढ़ते निवेश के कारण है। वहीं, विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी बढ़ोतरी 2026 में 6.5 फीसदी हो सकती है। बता दें कि भारत की जीडीपी का कुल वैल्यूएशन अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़) हो गया है। जापान को पीछे छोड़ने के बाद अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा और साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़) की इकोनॉमी के साथ दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रोथ ट्रेंड को देखते हुए पूरे साल के लिए इसका अनुमान 6.8% से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास करने को तैयार है। वहीं सरकार का कहना है कि भारत 2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। महंगाई अभी नियंत्रण में है और तय सीमा से नीचे है। बेरोजगारी धीरे-धीरे कम हो रही है और देश के निर्यात में लगातार सुधार हो रहा है।

समरसता
अरविंद जयतिलक

नववर्ष पर मानवता का संकल्प लें

> यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी हैं और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम नववर्ष पर नव संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों, ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है।

वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे धकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है। आइए, हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बनें। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रूप देने की जरूरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरूरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं। उन्हें स्वेटर, गर्म कपड़े और जूते-मोजे और पाठ्य-पुस्तकें देकर उनकी चुनौतियों को कम कर सकते हैं। कई छोटे-बड़े स्वयंसेवी संगठन इस पुनीत कार्य में जुटे हैं। अगर यहीं कार्य हर संपन्न व्यक्ति के स्तर से हो तो समाज के अभावग्रस्त लोगों की जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा हो तो समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। यह सकारात्मक संदेश रूपी ऊर्जा ही किसी राष्ट्र को दुनिया के अग्रिम देशों की कतार में खड़ा करती है। उसके सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है। अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। अच्छी बात है कि केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम हर वर्ष

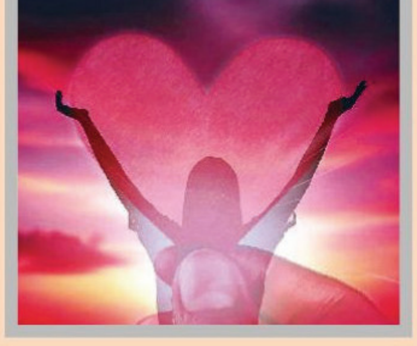

लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद कर देते हैं। घर में बचे भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिलजुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती हैं। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरूकता की कमी है। हम चाहें तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं।

विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गई है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार हैं। आइए हमलोग संकल्प लें कि इस वर्ष प्रदूषण न कर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। प्रदूषण की तरह गंदगी भी एक भीषण समस्या है। गंदगी के कारण विभिन्न किस्म के रोग उत्पन्न होते हैं। इन रोगों से निपटने के लिए सरकार हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। गंदगी मिटाने के लिए देश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमलोग नए साल में समूहबद्ध होकर अपने आसपास की गंदगी को साफ करने और वातावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प ले सकते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो बीमारियो पर खर्च होने वाली राशि को शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मदों में खर्च किया जा सकता है। देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। बिडंबना है कि युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति कम होने के बजाए बढ़ रही है। विगत दशकों में हर छोटे-बड़े समारोहों में शराब सेवन का प्रचलन बढ़ा है। इससे युवाओं का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। साथ ही घर-परिवार का माहौल भी दूषित हो रहा है। शराब सेवन के कारण समाज में अपराध और बलात्कार जैसी बुराइयां बढ़ रही हैं। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और धूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए। भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है। जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। अभी गत वर्ष ही देश में कुछ नीतिगत मसलों पर व्यापक स्तर पर हिंसा और उपद्रव देखने को मिला। इस उपद्रव में बड़े पैमाने पर युवा चेहरे शामिल देखे गए। यह ठीक नहीं है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी है और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। सच तो यह है कि युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

मंथन
ममता कुशवाहा

नववर्ष : शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्माण का समय

अंग्रेजी कैलेंडर में 1 जनवरी के साथ ही नए साल की शुरुआत हो जाती है। यह पश्चिमी उत्सव अन्य लोगों के साथ-साथ विद्यार्थियों के जीवन में भी कुछ नया संकल्प देने का काम करता है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह समय होता है जब उनके सपने आकार लेने लगते हैं और भविष्य की दिशा तय होने लगती है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक गठरी छोड़कर विदा होता है, कुछ अनुभव सफलता के होते हैं, जो आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के होते हैं, जो जीवन की महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, संकल्प और आत्मविकास की राह पर आगे बढ़ने का संदेश लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के समन्वय से की जाए, तो यह केवल एक नया साल नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त नींव बन सकता है। नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के समय में विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों की होड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ क्षण ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा, कहाँ वे सफल रहे, कहाँ उनसे चूक हुई, किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, इन सभी प्रश्नों पर विचार करना आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, जिससे उनका आगे का सफर अधिक स्पष्ट और सार्थक बनता है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो जाता है। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकाव से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनमें ज्ञान अर्जन, कौशल विकास, अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। नववर्ष यह सिखाता है कि लक्ष्य जितने स्पष्ट होंगे, प्रयास उतने ही केंद्रित होंगे और परिणाम उतने ही संतोषजनक प्राप्त होंगे। आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज के समय में अत्यंत आवश्यक हो चुके हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें, ताकि वे केवल परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों में भी सफल हो सकें। विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, किंतु वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते और समय व्यर्थ कर देते हैं। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थी अपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तब वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना मित्र बनाया जाए, न कि शत्रु। शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

नववर्ष केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है- स्वयं को बेहतर बनाने का, शिक्षा को जीवन से जोड़ने का और कौशल के माध्यम से भविष्य को सशक्त बनाने का।नववर्ष यह याद दिलाता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से शुरू होता है। जब विद्यार्थी शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के साथ नववर्ष का स्वागत करते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं रह जाता, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त शुरुआत बन जाता है।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं

संकलित
दर्शन

सामान्यतया सर्प अपनी भयंकरता के लिए जाने जाते हैं। पर दो बड़े देवता उन्हें अंगीकार किए हुए हैं। एक तो संसार के पालक विष्णु जी, जो उन्हें अपनी शय्या बनाए हुए हैं और दूसरे देवों के देव भगवान शंकर, जो उन्हें हारतुल्य कंठ में डाले हुए हैं। फिर वे पूज्य क्यों न माने जाएं? सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। कृषि के शत्रु और मानवता के क्षतिकारक चूहों व ... कीट आदि का भक्षण करते रहते हैं और विष को आत्मसात करते हैं। दंश व तभी देते हैं, जब दब-कुचल जाएं या उन्हें ऐसा कोई भ्रम हो जाए। वे अनेक औषधियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। सर्पों की अनेक प्रजातियां विषहीन भी होती हैं। शास्त्रों के अनुसार, वे शेषनाग के रूप में पृथ्वी को धारण करते हैं और वासुकि के रूप में कष्ट उठाकर समुद्र मंथन में रज्जु का काम करते हैं। रावण जैसे राक्षसों के संहार में शेषावतार लक्ष्मण रूप से श्रीराम की सहायता करते हैं। वराह पुराण के अध्याय 24 में एक कथा आई है। सर्पगण कश्यप ऋषि व उनकी पत्नी कद्रू की संतान हैं। उनसे अनंत, वासुकि, कंबल, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख, कुलिक, पापराजिल आदि सर्प हुए। ये गरुड़ के सौतेले भाई हैं, जो ऋषि की अन्य पत्नी विनता से जन्मे। जब ये मानवता को कष्ट देने लगे, तो ब्रह्मा जी ने वासुकि आदि को बुलवा कर डांटा और अभिशप्त किया। सर्पों द्वारा अनुनय-विनय करने पर उन्हें रहने के स्थान सीमित किए और काटने की भी सीमा रेखाएं खींची। यह सारा वृत्तांत पंचमी तिथि को हुआ। मान्यता है कि इस दिन उनकी पूजा-अर्चना से मानव को सर्प भय से मुक्ति मिल जाती है।

अहंकारी व्यक्ति ही समस्याओं का कारण

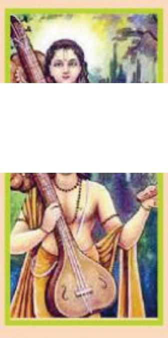

संकलित
प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से ... विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

सर्दियों की एक सुबह

प्रयागराज में बुधवार 2025 को सर्दियों की एक सुबह घने कोहरे के बीच ग्राहकों को फूलों की माला दिखाता एक विक्रेता।

आज की पाती

प्रधानमंत्री की दवाओं को लेकर नेक सलाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार के रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' में विभिन्न मुद्दों पर बात की, लेकिन उन्होंने हमें दवाइयों के प्रयोग को लेकर जो सलाह दी वो बहुत ही अच्छी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं करना चाहिए। हमें इस पर जरूर अमल गंभीरता से करना चाहिए, ताकि दवाइयों का प्रयोग हमें स्वस्थ करे, न कि और बीमार करे। एंटीबायोटिक का अत्यधिक इस्तेमाल जिंदगी को खतरा भी है। दुनिया के दूसरे देशों में देशी इलाज के साधन नहीं है, इसलिए वहां तो एंटीबायोटिक का अत्यधिक और अनावश्यक प्रयोग होना स्वाभाविक है, लेकिन अफसोस यह है कि भारत में भी कई बार डाक्टरों की सलाह नहीं ली जाती है।

- साकेत वर्मा, रायगढ़

करंट अफेयर

पाक 2026 में पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश होगा

पाकिस्तान 2026 में दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जिसकी आबादी 22.5 करोड़ से अधिक होगी। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने जनसंख्या प्रबंधन के लिए एक रणनीतिक, अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, सतत लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ये वास्तविकताएं जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के एक रणनीतिक चालक के रूप में देखने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। यूएनएफपीए ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, लगातार जारी लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया। उसने कहा कि ये वास्तविकताएं इस बात को रेखांकित करती हैं कि जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के लिए अहम मानना चाहिए। यूएनएफपीए ने 2026 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय योजना और वित्तीय प्रावधानों, विशेष रूप से राष्ट्रीय वित्त आयोग फॉर्मूला में जनसंख्या को प्रतिबिंबित करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

ऑफ बीट

बीयर का कानून पर असर और कानून का बीयर पर

कानून बीयर को प्रभावित करता है और बीयर कानून को। दोनों के बीच का संबंध जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक गहरा है। हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'बीयर लॉ' में इस आपसी रिश्ते को रेखांकित किया गया है। गर्मियों की छुट्टियों में ठंडी बीयर का आनंद लेते समय, इन पहलुओं पर भी गौर किया जा सकता है। आम तौर पर माना जाता है कि मानव समाज शिकारी-संग्रहकर्ता जीवन से खेती और स्थायी बसावट की ओर इसलिए बढ़ा ताकि अनाज से रोटी और दलिया बनाया जा सके। लेकिन आधुनिक विज्ञान संकेत देता है कि शुरुआती दौर में फसलें भरोसेमंद खाद्य स्रोत नहीं थीं। माना जा रहा है कि शराब, विशेषकर बीयर के एक प्रारूप के उत्पादन के लिए ही हमारे पूर्वज किसान बने। ऐसे में कहा जा सकता है कि मानव सभ्यता के विकास में बीयर ने अहम भूमिका निभाई। कभी बेहद सख्त थे बीयर से जुड़े कानून कम से कम 13,000 वर्षों से बीयर बनाई जा रही है और बीयर कानून भी उतना ही पुराना विषय है। लगभग 4,000 वर्ष पहले, 1755–1751 ईसा पूर्व के बेबीलोनियन हम्मूराबी संहिता में बीयर परोसने के नियम थे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई बीयर विक्रेता उसमें पानी मिलाता पाया जाता, तो उसे डुबोकर मारने का प्रावधान था।

ट्रेंड

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या की पावन धरा पर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। इस पावन अवसर पर सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन! समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्र सेवा में अग्रसर

जिसने राम, रामराज्य और अयोध्या–अवध के विकास का साथ दिया, वे आज प्रभु की कृपा से राष्ट्र सेवा में अग्रसर हैं। जिन्होंने संतों, वैरागियों और नागा साधुओं पर गोलियाँ चलवाईं तथा त्याग और तपस्या को कुचलने का पाप किया, उनकी स्थिति भी आज पूरी दुनिया देख रही है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

वंदे भारत स्लीपर

रेल सुरक्षा आयुक्त ने वंदे भारत स्लीपर का परीक्षण किया। यह कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हमारे स्वयं के जल परीक्षण ने इस ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

- अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल मंत्री

प्रेरणा स्थल का खाना

भाजपा सरकार इसका जवाब दे कि प्रेरणा स्थल पर जो खाना बाँटा गया था वो इतना ख़राब क्यों था कि सुबह से भूखे लोगों ने बिना खाए ही फेंक दिया, बाद में जिसे खाकर 150 भेड़ों की मौत हो गयी। ये एक संगीन मामला है। इसकी जाँच हो।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

राष्ट्रपति ने एआई चैलेंज का किया शुभारंभ

देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिवर्तन लाने का शक्तिशाली अवसर विश्व की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 'स्किल द नेशन' एआई चैलेंज का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा के रायरांगपुर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया।राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है, जिससे लोगों के सीखने, काम करने और आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने के तरीके प्रभावित हो रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित किया गया समारोह

राष्ट्रपति ने अर्थव्यवस्था के लिए एआई को विकास चालक बताया

राष्ट्रपति ने ओडिशा के रायरांगपुर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का किया वर्चुअल उद्घाटन

छात्र ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के विकास के लिए करें

उन्होंने कहा कि भारत जैसे युवा देश के लिए, एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक और समावेशी परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली अवसर है। उभरती प्रौद्योगिकियों की ओर से आकार दिए जा रहे भविष्य के लिए छात्रों को तैयार देखकर खुशी जताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उनसे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा करने, चुनौतियों का समाधान करने और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए करने का आग्रह किया।

सांसदों को भी सराहा

राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई लर्निंग मॉड्यूल पूरा करने वाले सांसदों की भी सराहना की और कहा कि उनके प्रयास निरंतर सीखने के माध्यम से नेतृत्व को दर्शाते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एआई को एक प्रमुख विकास चालक बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह आने वाले दशक में जीडीपी, रोजगार और उत्पादकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण करे

उन्होंने मजबूत राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा के निर्माण में डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे कौशलों के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा सरकार संस्थानों, उद्योग भागीदारों और शिक्षाविदों के सहयोग से यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि भारत न केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाए बल्कि जिम्मेदार और समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण भी करे।

सामूहिक प्रतिबद्धता से ही विकसित भारत बनेगा

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप देश को ज्ञान महाशक्ति बनाने के लक्ष्य में योगदान देते हुए एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया। यह कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की ओर से आयोजित किया गया था, जो भारत के कार्यबल को एआई-संचालित भविष्य के लिए तैयार करने के सरकार के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

खबर संक्षेप

राहुल की तुलना श्री राम से, भड़के निरुपम

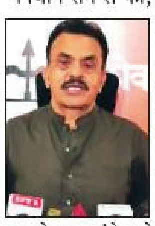

मुंबई। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने राहुल गांधी के कार्यों की तुलना भगवान राम से की, जिस पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने इस तुलना को हास्यास्पद बताते हुए कांग्रेस के आचरण को 'रावण' जैसा करार दिया। संजय ने कहा कि कांग्रेस सदैव राम विरोधी रही है।

कार ने 6 को कुचला 1 की मौत, कई घायल

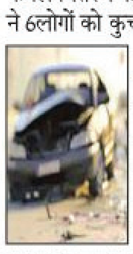

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर में कंबल वितरण के दौरान एक कार ने 6लोगों को कुचल दिया। एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 5 लोग बुरी तरह से घायल हो गए। इस पर लोगों ने चौकी में भी तोड़फोड़ की।

पीएम मोदी ने लिखा तिरुवनंतपुरम के नए मेयर राजेश को पत्र

केरल के लिए यह खास उपहार, कार्यकर्ताओं की मेहनत, संघर्ष और समर्पण का परिणाम

इस उपलब्धि को पार्टी के लिए ऐतिहासिक करार दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए साल की शुरुआत के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम के नवनिर्वाचित मेयर वीवी राजेश को पत्र लिखकर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने इसे केरल के लिए नए साल का विशेष उपहार बताया और इस सफलता को वर्षों की मेहनत, संघर्ष और समर्पण का परिणाम बताया है। पत्र में पीएम मोदी ने मेयर वीवी राजेश और उपमेयर जीएस आशा नाथ को शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी। उन्होंने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में जीत हासिल करने वाले भाजपा के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि को पार्टी के लिए ऐतिहासिक करार दिया। पीएम मोदी ने तिरुवनंतपुरम से अपने भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि यह शहर हर मलयाली के दिल में विशेष स्थान रखता है। यह श्री पद्मनाभस्वामी के आशीर्वाद से पवित्र है और राजधानी होने के साथ-साथ विचारकों, समाज सुधारकों, कलाकारों, कवियों, संगीतज्ञों और संतों की भूमि रही है। ऐसे महान शहर का भाजपा को आशीर्वाद देना विनम्र करने वाला अनुभव है।

नए साल की शुरुआत पर दी बधाई

उपमेयर आशा नाथ को शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी और नवनिर्वाचित पार्षदों और कार्यकर्ताओं को भी शुभकामनाएं दीं

'विकसित तिरुवनंतपुरम' का विजन हर वर्ग तक पहुंचा

प्रधानमंत्री मोदी

मेयर वीवी राजेश

पीएम मोदी ने कहा कि 'विकसित तिरुवनंतपुरम' का भाजपा का विजन शहर के हर वर्ग तक पहुंचा है। लोगों ने केंद्र के कामकाज और राज्यों में शहरी विकास के प्रयासों को देखा है, इसी कारण उन्होंने भाजपा को समर्थन दिया।

केरल में एक 'नए सवेरे' का संकेत

प्रधानमंत्री ने लिखा कि यह जीत सिर्फ एक चुनावी सफलता नहीं, बल्कि एक ऐसा मील का पत्थर है जिसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। केरल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दशकों तक कठिन परिस्थितियों में संघर्ष किया है। राज्य की राजनीति लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के हाथों में रही है, जिनके शासन में भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति पनपी। इसके बावजूद भाजपा कार्यकर्ता डटे रहे, लोगों की समस्याएं उठाई।

केरल झूठे वादों की राजनीति से अलग हो रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-एनडीए अब केरल में जनता का विकल्प बनकर उभर रही है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली में दोस्त और केरल में प्रतिद्वंद्वी होने का उनका 'फिक्स्ड मैच' अब खत्म होने वाला है। केरल अब झूठे वादों से मुक्त होना चाहता है।

नारायण गुरु, अय्यंकाली और पद्मनाभन के विचारों का भी उल्लेख किया

प्रधानमंत्री ने श्री नारायण गुरु, महात्मा अय्यंकाली और मन्नाथु पद्मनाभन के विचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा, गरीबों और वंचितों की चिंता तथा महिलाओं का सशक्तीकरण जैसे मूल्य तिरुवनंतपुरम के प्रशासन की प्रेरणा बनने चाहिए। राजेश और उनकी टीम 'ईज ऑफ लिविंग' को आगे बढ़ाएगी।

पत्र को अमित मालवीय ने भी एक्स पर शेयर किया

इस पत्र को भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी 'एक्स' पर शेयर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश केरल और भाजपा दोनों के लिए गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और भाजपा के विजन पर जनता के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है और राज्य में शहरी शासन के एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है।

पीएम ने दी सिंधिया को जन्मदिन की बधाई

पूर्वोत्तर भारत में किए गए कामों को सराहा दीर्घायु की कामना की

पीएम मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर भारत में लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने की दिशा में उनके प्रयासों को सराहा। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, केंद्रीय मंत्री सिंधिया को जन्मदिन की बधाई। वे टेलीकॉम सेक्टर को बेहतर बनाने के लिए जुटे हैं।

सिंधिया ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद

सिंधिया ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। आपकी लीडरशिप और जनसेवा की से प्रेरित होकर मैं विकसित भारत बनाने में कमी नहीं करूंगा।

सीएम ममता बेनर्जी ने कहा

हम 'बुरी ताकतों' के आगे नहीं झुकेंगे, हमारा संघर्ष जारी रहेगा

नव वर्ष पर टीएमसी का स्थापना दिवस

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका दल जनता के लिए संघर्ष करता रहेगा और किसी भी 'बुरी ताकतों' के सामने समर्पण नहीं करेगा।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर, मैं सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। तृणमूल कांग्रेस का सफर आज ही के दिन 1998 में मातृभूमि और लोगों की सेवा के मकसद से शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक सफर की मुख्य बातें मातृभूमि का सम्मान, बंगाल का विकास और लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा है। आज भी हमारी पार्टी का हर कार्यकर्ता और समर्थक इस लक्ष्य के लिए अडिग और प्रतिबद्ध है।

28 साल पहले कांग्रेस से अलग होकर बनाई थी अपनी पार्टी

उन्होंने लिखा कि तृणमूल कांग्रेस परिवार आज अनगिनत लोगों के आशीर्वाद, स्नेह और प्रार्थनाओं से भरा हुआ है। आपके अटूट समर्थन से, हम महान लोकतांत्रिक देश के हर व्यक्ति की लड़ाई में अडिग हैं। हम किसी भी बुरी ताकत के सामने नहीं झुकेंगे और आम लोगों के लिए हमारा संघर्ष आजीवन जारी रहेगा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी 28वें साल में प्रवेश कर चुकी है। इस 28 साल में टीएमसी सुप्रीमो ममता बेनर्जी ने बंगाल में अस्मिता की राजनीति को नया रूप दिया है। कांग्रेस पार्टी से अलग होकर 1 जनवरी 1998 को ममता ने तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था।

हर कार्यकर्ता को नमन करता हूं: अभिषेक

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बेनर्जी ने कहा कि दल की असली शक्ति उसके जमीनी कार्यकर्ताओं के अनुशासन और विश्वास में निहित है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि तृणमूल कांग्रेस स्थापना दिवस पर मैं अपने लगातार बढ़ते परिवार के हर सदस्य के प्रति कृतज्ञता से सिर झुकाता हूं।

ठाणे क्षेत्रीय मानसिक अस्पताल के सफाई कर्मचारियों का अनोखा आंदोलन

ठाणे : ठाणे क्षेत्रीय मानसिक अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मचारियों द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुसार वेतन की मांग को लेकर बीते कई वर्षों से संघर्ष किया जा रहा है। औद्योगिक न्यायालय के आदेशों का ठेकेदार और अस्पताल प्रशासन द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है।इस संबंध में ठाणे लेबर कोर्ट में न्यायालय की अवमानना का मामला लंबित है, जबकि मुंबई उच्च न्यायालय में न्यूनतम वेतन के अंतर की बकाया राशि को लेकर सुनवाई जारी है।

सोन सुषमा पार्क का मा0 विधायक घोरावल, जिलाधिकारी ने फीता काटकर किये शुभारंभ

सोनभद्र। नूतन वर्ष-2026 के प्रथम दिवस पर आज सोन सुषमा पार्क का विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किये, इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी(नमामी गंगे) रोहित यादव, ब्लाक प्रमुख सदर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उत्कर्ष द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्क का निर्माण कलेक्ट्रेट परिसर में हो जाने से परिसर में आने वाले फरियादियों को बैठने की सुविधा उपलब्ध होगी और कलेक्ट्रेट परिसर का वातावरण प्राकृतिक सौन्दर्य केन्द्र बना रहेगा और पार्क की सुविधा से सुबह-शाम लोगों को टहलने की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे टहलने वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने उपस्थित जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री ने जनपद भ्रमण के दौरान यह निर्देश दिये थे कि जनपद सोनभद्र में पार्क, आडिटोरियम विकसित किया जाये, उस निर्देश के क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में सोन सुषमा पार्क व विकास भवन के सामने पहाड़ी पर शकुन्त पार्क बनाकर इसकी शुरूआत की गयी है।इसी प्रकार से जनपद में अन्य पार्क भी बनाये जायेंगें, जो जनमानस के आकर्षण के केन्द्र रहेंगें, उन्होंने कहा कि सोन सुषमा पार्क प्रत्येक नागरिकों के लिए प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक खुला रहेगा, जनपद में शीघ्र ही एक आडिटोरियम का निर्माण कार्य भी कराया जायेगा

नाम परिवर्तन

मैं अंकुर, बंसल आ. राजकुमार बंसल उम्र- 40 वर्ष निवासी न.पं. लखनपुर पोस्ट लखनपुर जिला थाना व तहसील लखनपुर सरगुजा (छ.ग.) शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम भव्य बंसल (BHAVY BANSAL) है जो कि सही भा. अंकुर बंसल जन्म प्रमाण पत्र दर्ज है जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम गलत है। अतः आज से मेरे में पुत्र का वास्तविक नाम भव्य बंसल(BHAVY BANSAL)आ. अकुर बंसल के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेन में दर्ज किया जाए। इस संबंध में मेरा स्वयं का है। शपथ पत्र प्रस्तुत

शपथमर्ता
अंकुर बंसल

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनीता साहू आ०शैलेष कुमार साहू निवासी वार्ड क्रमांक 45 भटठापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 67/7 रकबा 0.020 हे0 भूमि में से रकबा 0.014 हे0 भूमि को अनावेदक बुधियारो बाई पति ज्ञानदास निवासी वार्ड क्रमांक 28 न्यू क कोरिया माइन्स गुदरीपारा चिरमिरी जिला कोरिया छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 28,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/01/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा आज दिनांकः- 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज मुख्यालय बलरामपुर (छ०ग०)

//ईश्तहारी सूचना पत्र//

क्रमांक 9984वाचक/कले०/2025

प्रति,

बलरामपुर दिनांक-29/12/2025

1. पार्वती आ० स्व० अदलसाय
2. मानमती आ० स्व० अदलसाय

दोनों सा० करींचलगली तहसील डौरा-कोचली जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक / पुनरावेदी सुरेश आ० श्रीकेवल जाति गोड़ निवासी ग्राम अमरपुर, तहसील डौरा-कोचली जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) के द्वारा ग्राम अमरपुर प०ह०नं०-02 तहसील डौरा-कोचली स्थित भूमि ख०नं० 32 रकबा 0.28 हे० (अत्र पश्चात वादभूमि) का व्यवस्थापन अदलसाय पिता जगसाय जाति चेरवा के पक्ष में जारी पट्टा के विरूद्ध पट्टा जाँच कर अवैध प ?ट्टा निरस्त करने बावत प्रस्तुत पट्टा जॉच / पुनरीक्षण प्रकरण कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज के न्यायालय में संस्थित होकर विचाराधीन है एवं उक्त मामले की आगामी सुनवाई तिथि 07 जनवरी 2026 नियत है। अतः दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त मामले की सुनवाई तारीख 07 माह जनवरी सन् 2026 को दिन के 11:00 बजे स्थान कलेक्ट्रेट बलरामपुर पर होगी। अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही किया जाकर प्रकरण में अंतिम निर्णय लिया जावेगा।

(कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित)
अपर कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलेश्वर राम तिर्की आ० धनेश्वर राम तिर्की जाति उरांव निवासी खालपारा काराबेल तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम पचपेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 6/17 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 12/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आंपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०प्र०क्र० ब-121/2025-26

ग्राम अखोराखुर्द प०ह०नं०

उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता ग्राम अखोराखुर्द प०ह०नं० उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवराम आ०/पति स्व कन्हैयाराम जाति अहीर निवासी ग्राम अखोराखुर्द तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्व के का जन्म दिनांक 05.06.1971 को ग्राम अखोराखुर्द घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानतावश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश। उपरोका जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 30/12 /2025 को मायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। अतः आज दिनांक-15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

जिला कार्यपालिका दण्डाधिकारी
बरियों जिला बलरामपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम-

प.ह.नं. 14

ईश्वहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र अगरिया पिता मनसाय अगरिया जाती अगरिया ग्राम सिरसी प.ह.न 14 रानि.नं.भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र मयंक अगरिया का जन्म दिनांक 19-01-2021 को ग्राम सिरसी में हुई है.अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है।आवेदक अपने पुत्र मयंक अगरिया का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस म्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो ये स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/01/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं।नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 31/12/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर(छःग)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत सलका / नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री देवेंद्र गुप्ता पिता/पति श्री गिरिश कुमार गुप्ता निवासी सलका के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०29/2 रकबा 0.06 प.ह.नं 22 रा.नि.म. भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सम्बंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 16/01/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 31/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

:: ईश्तहार ::

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्देश्वरी राजवाडे पति आ० स्व० सुखराम राजवाड़े निवासी भिटट्रीकला थाना अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर ने कराया है कि आवेदक के अपने पति स्व. सुखराम राजवाड़े आ० स्व. दुरचू राजवाडे को स्थान की दिनांक 15/09 2020 में हुई है निवास आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 01/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना छत्तीसगढ़ : गजेंद्र सिंह शेखावत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़ इस संकल्प के साथ में हम सब लोग काम करेंगे ऐसा भरोसा और विश्वास आप सबको दिलाते हुए आप सबको बहुत सारी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने।स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न किया गया। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति

मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चैड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है।उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है।उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है। साथ ही रोजगार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में हजार्ने की गारंटी भी इस योजना में शामिल की गई है। उन्होंने इसे ह्यमोदी की गारंटी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि भोरमदेव मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है और इस कॉरिडोर निर्माण के माध्यम से आने वाले हजार वर्षों तक इसे संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों से आग्रह किया कि 146 करोड़ रुपये की इस परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए, क्योंकि यह कार्य धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक हजार साल पुराने बाबा भोरमदेव के मंदिर विकास हेतु आज भूमिपूजन हुआ है जो बहुत ही हर्ष की बात है।सावन के महीने में यहां हजारों की संख्या श्रद्धालु कावड़िये अमरकंटक से माता नर्मदा का जल लेकर बाबा भोरमदेव का जलाभिषेक करते हैं जिनका स्वागत करने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के साथ मैं भी आया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन ने हर वर्ग के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। कवर्धा के जंगलों में वास करने वाले राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा जैसे प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों के लिए शासन द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारम्भ की गई है, जिससे अब गांव-गांव तक पक्की सड़कें, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे अनेक योजनाओं का लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। वहीं उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रारम्भ किए गए हैं, जिनमें एंबुलेंस के साथ में डॉक्टर एवं नर्स सहित पूरा तकनीकी स्टाफ भी उपलब्ध रहेगा जो घर घर जाकर लोगों का उपचार करेगा।

भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन वर्ष 2026 की शुभ शुरूआत-विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कबीरधाम ज़िले के भोरमदेव धाम में आयोजित कार्यक्रम में भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया।इस अवसर पर उन्होंने नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नए वर्ष की शुरूआत ऐसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कार्य से होना छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना राज्य की प्राचीन धरोहर को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रतीक है। कबीरधाम जिले के इस भोरमदेव धाम में महादेव शिव की आराधना, अतुलनीय प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एक साथ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे बेहतर शुरूआत नए वर्ष की नहीं हो सकती थी और इस परियोजना के लिए उन्होंने समस्त छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भोरमदेव की महत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के प्रति आभार व्यक्त किया। भोरमदेव मंदिर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरे-भरे

वनांचल के बीच स्थित इस मंदिर को छत्तीसगढ़ का खजुराहोह्व कहा जाता है। यह केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि हजार वर्षों की साधना, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। यहाँ भगवान शिव की पूजा भोरमदेव के रूप में की जाती है, जहाँ शैव दर्शन, लोक आस्था और आदिवासी परंपराएँ एक साथ मिलकर भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में निकलने वाली कांवड़ यात्रा यहाँ की एक महत्वपूर्ण परंपरा है और उन्हें स्वयं कांवड़ियों का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य के मध्य स्थित भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल और छेरकी महल ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखते हैं। मंदिर की दीवारों पर उत्कीर्ण भव्य शिल्पाकृतियाँ खजुराहो की कला से तुलना योग्य हैं। नागवंशी शासनकाल में निर्मित नागर शैली की यह अद्वितीय वास्तुकला अपने आप में अद्भुत है।यह स्थल न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय इतिहास, कला और सामाजिक जीवन का सशक्त साक्ष्य भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महाशिवरात्रि पर यह स्थान प्रमुख तीर्थ के रूप में हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, जहाँ आदिवासी परंपराओं और शैव प्रथाओं का अनोखा संगम दिखाई देता है। मड़वा महल, जिसका संबंध विवाह मंडप से माना जाता है, तथा छेरकी महल की दीवारों पर अंकित वन और नदी से जुड़ी आकृतियाँ प्रकृति-निष्ठ जीवनदर्शन को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि भोरमदेव का यह संपूर्ण क्षेत्र धर्म और अध्यात्म के साथ-साथ पर्यटन का भी बड़ा केंद्र है, जिसे वर्तमान सरकार व्यापक रूप से विकसित करने जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है, जिससे पर्यटन क्षेत्र को संरचनात्मक मजबूती मिली है। नई पर्यटन नीति एवं होम-स्टे पॉलिसी के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ रोजगार और निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर दशहरा सहित छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानीय उत्सवों ने प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। हमारी सांस्कृतिक परंपराएँ केवल मंदिरों और स्थापत्य तक सीमित नहीं हैं; बल्कि नाचा परंपरा, 13 पारंपरिक वाद्ययंत्र, लोकनृत्य और गीत हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के दर्पण हैं।उन्होंने उल्लेख किया कि धार्मिक आस्थाओं में यहाँ भगवान राम को भाँचा राम या वनवासी राम के रूप में पूजा जाता है क्योंकि उनके वनवास के लगभग 10 वर्ष दंडकारण्य क्षेत्र में व्यतीत हुए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पूरे छत्तीसगढ़ में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है तथा रेल और हवाई सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचना सरल होगा और पर्यटन को नई गति मिलेगी।इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में 7.83 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों को नई दिशा मिलेगी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है।

अस्पताल की दहलीज पर अब परिजनों को मिलेगा घर जैसा सुकून : छत्तीसगढ़ सरकार की एक संवेदनशील पहल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जब कोई गंभीर बीमारी घर में दस्तक देती है, तो पूरा परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से टूट जाता है। ऐसे वक्त में दूर-दराज के गांवों से शहर आने वाले गरीब परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती इलाज के साथ-साथ खुद के ठहरने की होती है। अक्सर मरीज तो वार्ड में इलाज करा रहा होता है, लेकिन उसके अपने लोग अस्पताल के गलियारों, ठंडी सीढ़ियों या खुले आसमान के नीचे रातें गुजारने को मजबूर होते हैं।इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बहुत ही प्रशंसनीय कदम उठाया है। अब राज्य के

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के परिजनों के लिए सर्वसुविधायुक्त ह्यविश्राम गृहह्व बनाए जाएंगे, ताकि किसी भी मजबूर आंख को रात बिताने के लिए सुरक्षित छत की तलाश में भटकना न पड़े। इस नेक काम को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में मंत्रालय नवा रायपुर में मेडिकल एजुकेशन विभाग और सेवादान आरोग्य फाउंडेशन के बीच एक एमओयू संपादित हुआ है।इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त रितेश अग्रवाल सहित सेवादान फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित थे। इस समझौते की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन आश्रय स्थलों के निर्माण, सजावट और उनके रोजमर्रा के संचालन का पूरा जिम्मा संस्था खुद उठाएगी।इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार और संस्था मिलकर एक ऐसा मानवीय ढांचा तैयार कर रहे हैं जहाँ परिजनों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहद किफायती ठहराव मिलेगा। इन विश्राम गृहों में केवल सिर छुपाने की जगह ही नहीं मिलेगी, बल्कि अपनों की सेवा में लगे लोगों के लिए 24 घंटे सुरक्षा, सीसीटीवी की निगरानी, साफ-सुथरा भोजन और एक गरिमामय माहौल भी सुनिश्चित किया जाएगा। योजना के पहले पड़ाव में रायपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और जगदलपुर जैसे प्रमुख शहरों के मेडिकल कॉलेजों को चुना गया है, जहां दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में लोग उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। यह पहल दिखाती है कि स्वास्थ्य सेवाएं सिर्फ दवा और डॉक्टर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें उन लोगों के लिए भी जगह होनी चाहिए जो अपने बीमार परिजनों के लिए संबल बनकर साथ खड़े रहते हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि उन हजारों परिवारों को एक बड़ी मानसिक राहत भी पहुँचाएगा जिनके पास शहर में रहने का कोई ठिकाना नहीं होता। इलाज सिर्फ दवाओं से नहीं, अपनों के साथ और सुकून से भी होता है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बालिकाओं को साइकिल वितरण कर बढ़ाया उत्साह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बालिकाओं का सशक्तिकरण ही सशक्त राज्य और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। वे भारतीय स्टेट बैंक, बैरन बाजार रायपुर द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत आयोजित बेटी बचाओ अभियानह्व के तहत शासकीय विद्यालयों की बालिकाओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए संबोधित कर रही थीं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने

कहा कि साइकिल जैसी सुविधाएँ बालिकाओं की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।इससे स्कूल आने-जाने में सुविधा होती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और ड्रॉपआउट की समस्या में कमी आती है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने भारतीय स्टेट बैंक के इस सामाजिक सरोकार की सराहना करते हुए कहा कि जब शासकीय योजनाओं के साथ बैंक एवं अन्य संस्थाएँ सीएसआर के माध्यम से जुड़ती हैं, तो समाज में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रोजगार, कौशल और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू राज्य में हेल्थकेयर क्षेत्र का दायरा बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार करने तथा युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में एक अहम कदम है।इसके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।समझौते का मुख्य उद्देश्य हेल्थकेयर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, युवाओं का कौशल उन्नयन तथा आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आवासीय एवं गैर-आवासीय दोनों प्रकार के निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे। एमओयू के तहत चार प्रकार के कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिनमें मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, कार्डियोलॉजी तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, कार्डियक केयर तकनीशियन तथा इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन के प्रशिक्षण शामिल हैं। ये कोर्स युवाओं को विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर निर्माण का अवसर उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास को विकास की रीढ़ मानती है और विशेष रूप से हेल्थकेयर सेक्टर की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलयुक्त कार्यबल तैयार करने पर बल दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ युवाओं के लिए व्यापक रोजगार संभावनाएँ भी उत्पन्न करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कौशल विकास पर केंद्रित यह साझेदारी राज्य के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित युवा अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और आपातकालीन सेवाओं में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सी. श्रीनिवास सहित ट्रस्ट के प्रतिनिधि एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने किया ऐतिहासिक सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज जिला महासमुंद अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर के दौरे पर रहे।इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल भी उनके साथ उपस्थित रहे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत का सिरपुर हेलीपैड पर सांसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभास कुमार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री शेखावत ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर पहुंचे, जहाँ उन्होंने लक्ष्मण देवालय, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला एवं स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिरपुर भारत की प्राचीन धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरातात्विक स्थलों की मूल संरचना को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर सड़क, साइन बोर्ड, सूचना केंद्र, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। आनंद प्रभु कुटी विहार, सुरंग टीला, तिवरदेव विहार, लक्ष्मण देवालय स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सिरपुर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही है। सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने का प्रयास जारी है। यहां की ऐतिहासिक, पुरातत्विक और आध्यात्मिक नगरी हमारे समृद्ध संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है।इसके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विहारों और मंदिरों के अवशेषों की वर्तमान स्थिति को सहजने और संरक्षित करने पर ज्यादा जोर दिया।उन्होंने गंधेश्वर मंदिर पहुंचकर गंधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर देश के समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, राज्य बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ विमल चोपडा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम ठाकुर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिशा दीवान, उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवी चंद राठी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर विनय लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं राजस्व व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

हाईकोर्ट के आदेश पर बृहस्पति बाजार के सब्जी 450 व्यापारियों को राहत

बिलासपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शहर के प्रमुख और पुराने बाजारों में शुमार बृहस्पति बाजार वर्ष 1970 से लगातार संचालित हो रहा है। करीब पांच दशकों से यह बाजार न केवल शहरवासियों की सब्जी जरुरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि इससे जुड़े सैकड़ों परिवारों की आजीविका का भी मुख्य साधन है। इस बाजार में वर्तमान में 300 से अधिक छोटी-बड़ी सब्जी दुकानें संचालित हैं. जिनमें लगभग 450 सब्जी व्यापारी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। हाल ही में नगर निगम द्वारा बृहस्पति बाजार के सब्जी व्यापारियों को रिवर व्यू क्षेत्र के पास स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया था। निगम ने व्यापारियों को सिर्फ7 दिनों में जगह खाली करने का नोटिस जारी किया, जिससे बाजार में भारी आक्रोश फैल गया व्यापारियों का कहना था कि बिना किसी ठोस वैकल्पिक व्यवस्था के इस तरह अचानक विस्थापन करना उनके लिए असंभव है। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि कुछ आक्रोशित व्यापारियों ने आत्महत्या की चेतावनी तक दे दी।इस मामले में व्यापारियों ने हाईकोर्ट का रुख किया, वहां से उन्हें बड़ी राहत मिली। हाईकोर्ट ने बृहस्पति बाजार के व्यापारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 450 सब्जी व्यापारियों के बाजार विस्थापन पर स्टे लगा दिया है।

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 5 जनवरी को होगी

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि निगम द्वारा जारी नोटिस में नियमों का उल्लंघन किया गया है और बिना वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराए व्यापारियों को हटाने का प्रयास न्यायसंगत नहीं है।

शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव : भूलन

पीएम श्री सेजस रामानुजनगर के नवीन भवन का विधायक ने किया उद्घाटन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश माध्यम स्कूल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री मरावी ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश माध्यम स्कूल जैसे संस्थान ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी शिक्षा प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। नए भवन से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मैं विद्यालय परिवार, शाला प्रबंधन समिति एवं सभी शिक्षक साथियों को इस उपलब्धि के लिए अपनी

शुभकामनाएं देता हूँ। विधायक मरावी ने आगे कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में विद्यालयों में अधोसंरचना, आधुनिक संसाधन एवं शैक्षणिक सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम को भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह एवं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नया स्कूल भवन क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी सौगात है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सुधार होगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दिलीप शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष विकास दुबे ने मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकगण एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य हेमलता राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह, जनपद सदस्य चंद्रकला उपाध्याय, वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण दुबे, जयप्रकाश उपाध्याय, सौभाग्य दुबे, सुमित साहू, कवल साय, पीडब्ल्यूडी के एसडीओ, डीएमसी मनोज साहू, बीआरसी मनोज जायसवाल, विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी, युवा नेता शशांक दुबे, गजेंद्र दुबे, सहित सेजस के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। नए भवन के शुभारंभ से क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी शिक्षा को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई।

जिले में धान की खरीदी अभियान से किसानों में हर्ष व्याप्त

राजनांदगांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में धान खरीदी अभियान से किसानों में हर्ष व्याप्त है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी महाभियान के तहत शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक के मान से धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में धान खरीदी सुचारू संचालन के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है।

सोलर पैनल का मोटर खराब, पेयजल की समस्या से परेशान ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। भैयाथान विकासखण्ड के ग्राम खोपा में स्थित ऊपरपारा राजमोहन घर के पास क्रेडा विभाग द्वारा हैंडपंप में लगाये गए सोलर पैनल का मोटर जल जाने के कारण पेयजल की समस्या का सामना कर रहे हैं। लगभग एक महीने से पेयजल आपूर्ति बंद है, जिससे 21 परिवार प्रभावित हैं।

वही ग्रामीणों ने बताया कि वे अब काफी मशक्कत के बाद किसी तरह पानी की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। पानी बंद हो जाने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने योजना के संवेदक तथा विभाग से मांग कर रहे हैं की जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति पुनः बहाल किया जाए, ताकि गांव के लोगों को पेयजल की समस्या दूर हो।

एसआईआर के संबंध में कलेक्टर ने ली वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक

विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसआईआर कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी एस.जयवर्धन द्वारा विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई। उन्होंने एसआईआर कार्यक्रम की प्रगति, अनमैप मतदाता के लिए नोटिस जारी कर तामिल कराने, बीएलओ एप में अपलोड कराने तथा सी कैटेगरी के मतदाताओं से उम्र के अनुसार निर्धारित दस्तावेज को अपलोड कराने जैसे बिंदुओं पर चर्चा की और उपस्थित संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्वाचन से जुड़े कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण देने, अनमैपड सभी मतदाताओं को नोटिस तामील सुनिश्चित करने और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर

ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को अत्यंत गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित जनों को विशेष हिदायत दी कि निर्वाचन की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची का अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करें। उन्होंने फार्म-6 के साथ घोषणा पत्र के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, फार्म-7 के माध्यम से अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने एवं फार्म-8 के माध्यम से नामों में त्रुटि सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वीडियो कांफ्रेसिंग में उप जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेंद्र शर्मा, सर्व एसडीएम व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विशालपुर व नवाटोला में हुआ बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी जनपद क्षेत्र के विशालपुर पंचायत स्थित दो शैक्षणिक संस्थानों में गुरुवार को बाल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता पर केंद्रित व्यापक कार्यक्रम

आयोजित किया गया। जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ और एग्रिकोंन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला विशालपुर और हाई सेकेंडरी स्कूल नवाटोला में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व ओडगी ब्लॉक के समन्वयक कृष्ण कुमार गुर्जर और धनराज जगते ने किया। दोनों स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं सभी छात्र छात्राओं ने इस जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें बाल विवाह की कुप्रथा, लिंग आधारित हिंसा, घरेलू हिंसा, गुड टच-बैड टच की समझ, शिक्षा का महत्व, बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य, रूप से अधिक गुण की महत्ता तथा पढ़ाई का कोना जैसे विषय शामिल रहे। विशेष रूप से बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, आपातकालीन नंबर 112 और महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने श्बाल विवाह मुक्त भारतश् के संकल्प की शपथ ली और बच्चों के अधिकारों की रक्षा का प्रण लिया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में बाल अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में शासकीय योजनाओं की व्यापक समीक्षा की

गरियाबंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर बीएस उइके ने आज सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में प्रशासन गांव की ओर अभियान, मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, धान खरीदी, अवैध परिवहन नियंत्रण, ई-केवाईसी, आवास योजनाएं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे एवं नवीन भगत, अनुविभागीय अधिकारी, सभी विभागीय जिला अधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ, तहसीलदार उपस्थित रहे। कलेक्टर ने प्रशासन गांव की ओर अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधार कार्ड से संबंधित शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इन शिविरों का लाभ ले सकें। उन्होंने शिविरों में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी स्वीकृत कार्य अनिवार्य रूप से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। जनपद सीईओ, आरईएस एवं लोक निर्माण विभाग को कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति के लिए आधार एवं बायोमेट्रिक आधारित उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य की जाएगी तथा 1 जनवरी से सभी शासकीय पत्रों का आदान-प्रदान ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाएगा। धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला नोडल अधिकारी प्रत्येक सप्ताह, विशेषकर शनिवार एवं रविवार को भौतिक सत्यापन करें। जिन राइस मिलों का डीओ कट चुका है, वहां से धान का उठाव सुनिश्चित किया जाए। बोगस उठाव पाए जाने पर संबंधित प्रबंधकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। राइस मिलों का पीवी ऐप के माध्यम से सत्यापन करने के भी निर्देश दिए गए।

धान खरीदी में छोटे एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने मिलरों एवं परिवहन एजेंसियों के समन्वय से निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नियमित एवं सुचारू धान उठाव सुनिश्चित करने तथा लोडिंग प्रक्रिया का शॉर्ट वीडियो रिकॉर्ड करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राजिम महोत्सव 2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि महोत्सव का आयोजन 1 फरवरी से 15 फरवरी तक भव्य रूप में किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभी से तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जल संचयन अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक जल संवर्धन कार्य कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राशन कार्ड ई-केवाईसी की समीक्षा करते हुए कहा कि शेष लंबित मामलों का मिशन मोड में शीघ्र निराकरण किया जाए। राशन वितरण के दौरान लाभार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन कर मृत एवं अनुपलब्ध सदस्यों का विलोपन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति, निर्माण प्रगति, किश्तों के भुगतान, जियो-टैगिंग एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही अपार आईडी शिविर, शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति, पीएम जनमन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, समय-सीमा पत्रक एवं राजस्व प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा सप्ताह, भटगांव पुलिस ने निकाली हेलमेट जागरूकता बाइक रैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की भटगांव पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और क्षेत्र के लोगो को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को हेलमेड लगाकर बाईक रैली निकालकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर यातायात जागरूकता माह के तहत उक्त हेलमेट जागरूकता बाइक रैली भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी के नेतृत्व में निकाली गई। थाना परिसर से प्रारम्भ हुई हेलमेट रैली भटगांव क्षेत्र के मुख्य मार्गो के भ्रमण पश्चात वापस थाना परिसर पहुंची जहां समापन किया गया। रैली में पुलिस के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल हुए, जिन्होंने हेलमेट पहनकर और यातायात नियमों का पालन करते हुए आम लोगों को सड़क पर चलते वक्त अपने एवं दुसरो के सुरक्षा का संदेश दिया। थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मोटरसाइकिल से निकलते समय चालक और पीछे बैठने वाला व्यक्ति दोनों अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें और अपने जीवन को सुरक्षित रखें।

सड़क पर की गई एक छोटी सी चूक जीवन को असुरक्षित बना सकती है। उन्होंने बताया कि अधिकांश मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं में मौत सिर में गंभीर चोट लगने के कारण होती है, जबकि हेलमेट पहनने से जान जाने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। उन्होंने चार पहिया वाहन चलाने के दौरान सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाने के दौरान मोबाइल का प्रयोग नहीं करने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने का लोगो से आग्रह किया।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं प्रोत्साहन राशि का वितरण

गरियाबंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों के सहयोग एवं सशक्तिकरण की दिशा में लगातार सराहनीय पहल की जा रही हैं। जिला कार्यालय परिसर में कलेक्टर बी.एस. उइके ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए दिव्यांग हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उन्हें राहत दिलाई। यह सहयोग न केवल उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने में सहायक होगा, बल्कि उनके सामाजिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण को भी नई दिशा की ओर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगा।

कलेक्टर उइके द्वारा ग्राम कोसमबुड़ा के लिलेश्वर ध्रुव, ग्राम जेंजरा के लोमश कुमार साहू, ग्राम बेलटुकरी के दुर्गा साहू एवं राजीव कुमार साहू को मोटराइज्ड ट्राईसायकिल वितरित किया गया। इन ट्राईसिकलों के मिलने से दिव्यांगजन अब पहले की तुलना में अधिक सहजता से आवागमन कर सकेंगे और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वतंत्र रूप से कर पाएंगे। उन्हें अब दूसरे पर आश्रित नहीं होना पड़ेगा। इसी तरह ग्राम कोचबाय के पुरन लाल जगत, ग्राम पिपरछेड़ी कला के दयालु राम, गरियाबंद के वार्ड क्रमांक 06 के रामजी यदू तथा ग्राम सड़क परसुली के नर्मदा साहू को श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। श्रवण यंत्र मिलने से इन हितग्राहियों के जीवन में संचार, शिक्षा एवं सामाजिक सहभागिता के नए अवसर खुलेंगे। उन्हें स्पष्ट रूप से सुनने में मदद मिलेगी।

इसी तरह शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को भी कलेक्टर उइके ने प्रोत्साहित किया। क्षितिज अपार संभावनाएं योजना के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले दो हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि दी गई। इनमें ग्राम खुर्सीपार के रूदेश्वर कुमार ध्रुव को कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर 2 हजार रुपये तथा ग्राम कुम्हड़ईखूर्द के गिरिशचन्द्र क्षेत्रपाल को कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने पर 5 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। यह प्रोत्साहन राशि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से दी गई है। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, समाज कल्याण के उपसंचालक डीपी ठाकुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन की यह संवेदनशील पहल दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुंबई, हावड़ा, पुणे, अहमदाबाद की ट्रेनों की लेटलतीफी से छत्तीसगढ़ के यात्री परेशान

रायपुर। एजेंसी। देश के सबसे पुराने रेल रूटों में से एक हावड़ा और मुंबई के बीच रेलगाड़ियां रेंग रही हैं। हालत ऐसी हो गई है कि इस रूट पर चलने वाली सभी आठ गाड़ियां औसतन पांच से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं। कभी-कभी तो यह देरी 12-12 घंटे की हो जा रही है। गुरुवार को भी छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-हावड़ा के बीच चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस 13 घंटे देरी से चली। यही हाल इस रूट की अन्य ट्रेनों का भी है।

ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण राजधानी से मुंबई, हावड़ा, पुणे, अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए जाने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार रायगढ़ से आगे ईब और झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेल लाइन के निर्माण और शुरू होने में देरी के कारण ट्रेनों की समय सारिणी प्रभावित हुई हैं।

रेलवे सूत्रों के अनुसार बिलासपुर से झारसुगड़ा के बीच 206 किलोमीटर के रेलखंड पर अगस्त तक 150 किलोमीटर चौथी लाइन का काम पूरा हो गया था। ईब से लेकर झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन का काम पूरा होने, उसे सुरक्षा आयुक्त की मंजूरी मिलने और संचालन शुरू होने से इस रूट पर ट्रेनों की समय सारिणी सुधरेगी। जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेगी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार बीते कई दशकों में नई रेलगाड़ियों की संख्या तो बढ़ाई गई है, लेकिन नई पटरियों के बिछाने में देरी की गई। सिग्नलिंग प्रणाली में सुधार भी देरी का कारण बना। इससे गाड़ियों का संचालन प्रभावित हुआ। रेलवे की रिपोर्ट बताती है कि पटरियों पर ट्रेनों की परिचालन क्षमता का 158 फीसदी उपयोग किया जा रहा है। इसका मतलब है कि तय गति में जिन पटरियों पर 100 ट्रेनों का संचालन होना चाहिए, उनपर 158 का संचालन हो रहा है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 03 जनवरी 2026
8

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

2025 में सड़क हादसे और मौतों का आंकड़ा घटा, फिर भी सरगुजा जिला टॉप टेन में

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह वर्ष 2026 जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एक माह तक निरंतर चलने वाले यातायात जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ 02 जनवरी को शहर के घड़ी चौक में स्थित यातायात कार्यालय में किया गया। बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु दरों में कमी आई है। समीक्षा में सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य 5 कारण सामने आए। इनमें दोपहिया वाहन में 3 सवारी, बिना हेलमेट के वाहन चलाना, ओवरस्पीड में वाहन चलाना, शराब पीकर वाहन चलाना एवं ओवर टेक करने से दुर्घटना होना पाया गया है।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस मुख्यालय में लगातार इस बात की समीक्षा होती है कि सड़क हादसों में कैसे कमी लाई जा सकती है, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 2024 में जहां सड़क दुर्घटनाओं के 614 मामले हुए थे और इन दुर्घटनाओं में 354 लोगों की मौत हुई थी वहीं वर्ष 2025 में यह आंकड़ा घट कर 598 दुर्घटनाओं तक आया है, इसमें 302 लोगों की मौत हुई है जो बीते वर्ष के मुकाबले में 52 कम है। उन्होंने कहा कि सड़कों की स्थिति, डिवाइडर, मोड़ आदि विषयों को लेकर कलेक्टर के साथ बैठक होने वाली है, जिससे यातायात व्यवस्था में और सुधार हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा पूरे एक माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस वर्ष सड़क दुर्घटना एवं दुर्घटना से होने वली मृत्यु दरों में कमी लाना है। नवा बिहान सामाजिक संगठन के संयोजक मंगल पांडेय ने यातायात नियमों के अवहेलना के कारण बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि शिक्षा का स्तर तो बढ़ रहा है पर जागरूकता का स्तर नहीं बढ़ रहा है, जिससे ऐसी घटनाएं हो रही हैं। समन्वयक अनिल मिश्रा ने भी 4 वर्ष पूर्व शुरू हुए संगठन में नशा के विरूद्ध कार्य के बाद दो वर्ष में सड़क सुरक्षा व सायबर सुरक्षा को लेकर अब तक 10 हजार बच्चों को जागरूक करने की बात कही।

दुर्घटनाओं में कमी लाने टेक्निकल खामियों पर नजर-कलेक्टर

मुख्य अतिथि कलेक्टर अजीत बसंत ने कहा वर्तमान में यातायात नियमों को तोड़ना और हेलमेट नहीं पहनना युवा वर्ग में कूल कहलाने का पर्याय बन गया है। नियम व हेलमेट जान की सुरक्षा के लिए हैं, जो कूल दिखने से ज्यादा जरूरी है। उन्होंनें कहा कि अनुशासन केवल सड़क पर ही नहीं घर व जीवन में भी आवश्यक हैं। व्यवस्था ऐसी बनानी होगी कि लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने में गर्व की अनुभूति हो। कलेक्टर ने कहा कि जिले से करीब 150 किलोमीटर लम्बी राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क गुजरती है, जिसमें से कुछ को अब 2 से 4 लेन करने पर काम शुरू होने वाला है, इसमें कई टेक्निकल खामियों को दूर करने का प्रयास होगा, जिससे दुर्घटनाओं में और कमी आएगी। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के बाद भी सरगुजा जिला टॉप 10 में है। सड़क हादसों में और कमी लाना काफी आवश्यक है। कलेक्टर ने बताया सड़क हादसों में 70 प्रतिशत हादसे दोपहिया वाहन चालकों के होते हैं इसलिए दो पहिया वाहन चालकों को जागरूक करना और यातायात नियमों का पालन कराना ज्यादा आवश्यक है।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पिछले वर्ष 5738 कार्रवाई-एएसपी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि प्रति वर्ष जनवरी माह में सड़क हादसों व यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शासन द्वारा सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जाता है। पुलिस के द्वारा यातायात नियमों का पालन कराने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पिछले वर्ष 5738 कार्रवाई की गई है। इंटरसेप्टर वाहन से भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की निगरानी में काफी मदद मिल रही है। शासन द्वारा राहगीर योजना की शुरूवात की गई है, जिसमें सड़क हादसों में घायल लोगों को तत्काल अस्पताल ले जाने और उनकी जान बचाने वाले लोगों को पुरस्कृत करने का प्रावधान है। इससे हादसों के बाद जो कीमती समय किसी व्यक्ति की जान बचाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है, उस समय में लोगों को उपचार की सुविधा मिलेगी और कई लोगों की जान बचेगी। सड़क हादसे में आहत को अस्पताल पहुंचाने से उन्हें पुलिस के पूछताछ का सामना करना पड़ेगा, यह भ्रांति भी दूर होगी।

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

कलेक्टर सरगुजा अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह वर्ष 2026 के अंतर्गत पथ सुरक्षा, जीवन रक्षा रथ और मोटरसायकल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने क्षेत्र की जनता से यातायात नियमों का पालन करने व मीडिया के माध्यम से यातायात जागरूकता कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने की अपील की। नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, सहायक आयुक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विनय सोनी, नवा विहान नशा मुक्ति आभियान के संयोजक मंगल पांडेय, समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा, पर्वतारोही जितेन्द्र प्रताप, दिव्या राजवाड़े, आंचल गुप्ता, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर की 12 वीं की छात्राओं के द्वारा वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने प्रेरित किया गया। मंच संचालन सुनीता दास शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने किया।

पति ने पत्नी को बेदम पीटा, बेटी ने भी दिया साथ, मौत के बाद दोनों हुए गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब पीने से क्षुब्ध होकर पति ने पत्नी की बेदम पिटाई कर दी, इस काम में उसकी पुत्री ने भी साथ दिया। अचेत होने पर अगले दिन उसको होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले में मर्ग कायम करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही थी। शरीर में जगह-जगह चोट का निशान होने के कारण प्रथम दृष्टि में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था। इसकी पुष्टि होने के बाद पुलिस ने आरोपी पति और बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के घुटरापारा की दुर्गा हरि पति धन्नू हरि 45 वर्ष, शराब पीने की आदी थी, जिससे पिता-पुत्री परेशान थे। काफी मना करने के बाद भी उसके रवैया में बदलाव नहीं आ रहा था। घटना दिनांक से करीब एक सप्ताह पहले धन्नू हरि अपने ससुराल में फोन करके बताया था कि दुर्गा हमेशा शराब के नशे में रहती है, जिससे आए दिन तनाव की स्थिति बनते रहती है। पति ने दुर्गा को नहीं रखने की बात कहते हुए अपनी सास को ले जाने के लिए कहा था, जिस पर वह अपनी बेटी को साथ रखने के लिए राजी हो गई थी और उसे मायके भेज देने के लिए कहा था। इसके बाद दुर्गा घर से बिना कुछ कहे निकल गई, तो पति सोचा मायके गई होगी। सास मधु चैधरी से पूछताछ करने पर पता चला कि दुर्गा मायके नहीं पहुंची है। 29 दिसम्बर को शराब के नशे में धुत्त होकर दुर्गा घर पहुंची थी, और कथित रूप से आराम कर रही थी। इसकी जानकारी वह अपने ससुराल में दिया था। मृतिका की मां का कहना है कि 30 दिसम्बर को उन्हें दुर्गा को होली क्रॉस अस्पताल ले जाने की जानकारी मिली, जब वे अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि उनकी बेटी को मृत हालत में लाया गया था, उसके शरीर में जगह-जगह चोट का निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस अग्रिम पड़ताल में जुटी तो सामने आया कि मृतिका के शराब की लत से परेशान होकर पति और पुत्री ने ही दुर्गा की बेदम पिटाई कर दी थी, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई थी। इसके बाद भी उसे तत्काल अस्पताल नहीं लेकर पहुंचे, जिससे वह अचेत हो गई थी। अगले दिन पीड़िता को होली क्रॉस अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। हत्या के मामले में पुलिस ने पति और पुत्री को गिरफ्तार कर लिया है।

सरगुजा वन मंडल में 300 वन प्रबंधन समितियों की बैठक आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नव वर्ष के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक के मार्गदर्शन में 02 जनवरी को सरगुजा वनमंडल अंतर्गत 300 वन प्रबंधन समितियों (जॉइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट कमेटी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। बैठक के दौरान वन एवं वन्यजीव अपराधों में कमी लाने के प्रभावी उपायों, वनाग्नि की रोकथाम, अतिक्रमण पर नियंत्रण एवं वन संपदा के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन तथा हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों के व्यवहार से संबंधित आवश्यक वैज्ञानिक जानकारी भी साझा की गई। इको-पर्यटन के विकास एवं संरक्षण पर विशेष बल देते हुए स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजन की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही वन विभाग द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों, गौण वन उपज के सतत संग्रहण, वन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, पर्यावरणीय स्वच्छता तथा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे विषयों को भी प्रमुखता से रखा गया। वन प्रबंधन समितियां सहभागी वन प्रबंधन की एक सशक्त कड़ी हैं, जिनके माध्यम से वन संरक्षण, संसाधनों का सतत उपयोग एवं ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिलती है, जिससे वन प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं दीर्घकालिक बनाया जा सके।

एकीकृत किसान पोर्टल में संशोधन की अंतिम तिथि 7 जनवरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन के उपरांत भी कृषकों को फसल/रकबा संशोधन संबंधी समस्या आने के कारण राज्य शासन द्वारा कृषकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फसल/रकबा विवरण संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए समस्त सहकारी समितियों के समिति लॉगिन में कृषकों के फसल/रकबा विवरण संशोधन की सुविधा दिनांक 7 जनवरी तक प्रदान की गई है। कृषक बंधु धान विक्रय हेतु आवश्यक फसल/रकबा सुधार हेतु संबंधित सहकारी समिति से सुधार करा सकते हैं।

24 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। मंगल भवन भैयाथान में आगामी 5 जनवरी से विशाल 24 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस महायज्ञ की औपचारिक शुरुआत 26 दिसंबर को शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे आचार्यों द्वारा विधिवत भूमिपूजन के साथ हो चुकी है। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार महायज्ञ का शुभारंभ 5 जनवरी को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होंगे। यह यज्ञ राष्ट्र के कल्याण, शौर्य एवं समृद्धि के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की सुख-शांति और उन्नति की कामना के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। गायत्री परिवार भैयाथान द्वारा क्षेत्र के समस्त जनता एवं गायत्री परिवार के परिजनों से सपरिवार, ईष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में पधारकर पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की गई है। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। यज्ञ स्थल पर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंडप निर्माण, यज्ञ वेदी, आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों से यज्ञ पूर्व तैयारियों में सहभागी बनकर श्रमदान करने की भी अपील की है। आयोजन की तैयारियों में राजेंद्र अग्रवाल, घनश्याम दास अग्रवाल, शंभु नारायण देवांगन, राकेश कुशवाहा, प्रमिला गुप्ता, सरोज गुप्ता, संगीता गुप्ता, काजल गुप्ता एवं रैना गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

हेलमेट लगा कर दोपहिया चलाने वालों को फूल, नहीं लगाने वालों को मिला हेलमेट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस ने डेन्जर्स एडवेंचर्स स्पोर्ट्स लोंगेस्ट वर्ल्ड टूर ऑन फुट जर्नी के सदस्य व पर्वतारोही एण्ड गिनिजेस बुक लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर टीम के 4 सदस्यीय टीम के साथ यातायात जागरूकता कार्यक्रम, यातायात शाखा अंबिकापुर व मणिपुर पुलिस ने बिलासपुर चौक पर आयोजित किया। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरण करके यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी गई।

बता दें कि सड़क दुर्घटना में कमी लाने एवं यातायात नियमों का सजगता से पालन करने के लिए एक जनवरी से डेन्जर्स एडवेंचर्स स्पोर्ट्स लोंगेस्ट वर्ल्ड टूर ऑन फुट जर्नी के सदस्य व पर्वतारोही एण्ड गिनिजेस बुक लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर टीम के 4 सदस्यीय टीम के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। थाना मणिपुर क्षेत्रांतर्गत बिलासपुर चौक के पास सड़क मार्ग से आने-जाने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए सामान्य निर्देश दिया गया, साथ ही दोपहिया वाहन चालक जिन्होंने हेलमेट लगाया था, उन्हें गुलाब का फूल देकर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हेलमेट नहीं लगाने वाले दोपहिया चालकों को निःशुल्क हेलमेट भेंट कर वाहन चलाते समय आवश्यक रूप से पहनने की समझाइश दी गई। जागरूकता कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक उप निरीक्षक विजय कैवर्त्य, थाना प्रभारी प्रभारी मणिपुर उपनिरीक्षक सी.पी. तिवारी एवं अधीनस्थ थाना स्टाफ के सहयोग से आयोजित किया गया।

खाद्य एवं राजस्व विभाग ने 600 बोरा धान जप्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विकासखण्ड बतौली के ग्राम कपाटबहरी में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान विशुनपुर क्षेत्र के किसान इमरान इराकी, निवासी सीतापुर का लगभग 24 क्विंटल (600 बोरा) धान ग्राम कपाटबहरी में प्रफुल एक्का के घर में अवैध रूप से भंडारित पाया गया। जांच उपरांत नियमानुसार धान को जप्त किया गया और जिस व्यक्ति के घर में धान पाया गया है, उसी के सुपुर्द किया गया है। प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध भंडारण पर सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। वहीं जिला प्रशासन ने आमजन एवं किसानों से अपील की है कि धान विक्रय एवं भंडारण से संबंधित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। शासन की पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

निधन: श्रीमती आनन्दी मिश्रा

अंबिकापुर। अग्निशमन विभाग में पदस्थ प्रतापपुर रोड निवासी प्रमोद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती आनन्दी मिश्रा का निधन हो गया, वे 56 वर्ष की थीं। उनका रायपुर के एमएमआई अस्पताल में इलाज चल रहा था। वे अपने पीछे एक पुत्र कुंदन मिश्रा और पुत्री पायल मिश्रा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं। श्रीमती आनन्दी मिश्रा गौरी मंदिर के पुजारी पंडित राजेश मिश्रा की भाभी थीं। घटना से मोहल्ले में शोक का माहौल है। शुक्रवार को अंबिकापुर के शंकर घाट स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें काफी संख्या में गणमान्यजन, अग्निशमन विभाग, नगर निगम के कर्मचारी-अधिकारी शामिल हुए। मुखाग्नि पति प्रमोद मिश्रा ने दी।

पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने दंपति की अनूठी पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हसदेव जंगल, रामगढ़ और मैनपाठ को बचाने के लिए अंबिकापुर का एक दंपति बच्चे के साथ सड़क पर उतर आया है। यह परिवार अपने हाथों में पोस्टर और तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक कर रहा है। कुछ अलग ही अंदाज में पोस्टरों के माध्यम से वन कटाई रोकने, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने की अपील की जा रही है। इनका कहना है कि हसदेव जंगल, रामगढ़ और मैनपाठ सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं बल्कि पूरे देश की प्राकृतिक धरोहर है। इस शांतिपूर्ण जागरूकता अभियान को देखकर कई लोग रुककर संदेश पढ़ रहे हैं और पर्यावरण बचाने की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। इनकी मांग प्रशासन और सरकार से इन क्षेत्रों को बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की है। इनका कहना है कि जब तक जल, जंगल, जमीन सुरक्षित नहीं होगा, तब तक उनका प्रदर्शन अलग-अलग भीड़ वाले इलाके में होते रहेगा।

कानून के डर से नहीं, स्वयं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत थाना भटगांव द्वारा 02 जनवरी को नगर में हेलमेट जागरूकता रैली निकाली गई। रैली थाना परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुज़री। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अज्ञात वाहन की ठोकर से बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम गोपालपुर निवासी शक्तिमान तिर्की पिता बौरी तिर्की 25 वर्ष की मौत हो गई। मृतक मोटरसायकल से प्रतापपुर की ओर गया था। ग्राम दवगड़ी के पास अज्ञात वाहन का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। राजपुर स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक चिकित्सा के बाद स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सूने मकान का ताला तोड़कर 3 लाख रुपये का जेवरात और 15 हजार नकद चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। सूने मकान का ताला तोड़कर 15 हजार रुपये नकद और लगभग 3 लाख रुपये का जेवरात अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। घटना पुलिस चौकी बसदेई अंतर्गत ग्राम सोनपुर की है। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के ग्राम सोनपुर महुआरीपारा निवासी अब्दुल कयुम अली पिता मो. अयुब अली 40 वर्ष दादी की मृत्यु होने पर घर में ताला बंद करके 26 दिसम्बर 2025 को सुबह महगवां गए थे। 31 दिसम्बर को शाम करीब 5-6 बजे उनकी भाभी हसीना बेगम फोन करके बताई कि घर का ताला टूटा हुआ है। इसकी सूचना मिलने पर जब वह अपने घर सोनपुर वापस आया तो घर के अलमारी में रखा सोने के जेवरों में चेन कीमत 52090 रुपये, डायमंड का लॉकेट 1 नग 23700 रुपये, झुमका 1 नग 20000 रुपये, टप 1 बड़ा और 1 छोटा 25000 रुपये, मंगलसूत्र 25000 रुपये, लॉकेट 3 नग 20000 रुपये, मांग टीका 1 नग 15000 रुपये, अंगूठी 3 नग 35000 रुपये, बाली 1 नग 8000 रुपये, नथिया 1 नग 9000 रुपये, नोज पिन 3 नग 4000 रुपये, चांदी का पाजेब 1 नग 15000 रुपये, 4 पायल 14000 रुपये, बिछिया लरी वाला 1 नग 2000 रुपये, मेंहदी छल्ला 1 जोड़ी 2500 रुपये, बिछिया 1 जोड़ी 2000 रुपये, हार सेट 3000 रुपये, चोरी गए सामान का बिल और नकद रकम 15000 रुपये नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

चार लाख का जेवरात और नकद रकम पार, सीसीटीव्ही कैमरा भी ले गए

छ.ग.फ्रंटलाइन शंकरगढ़। बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम बचवार भदरापारा में घर के दरवाजे और आलमारी का लॉक तोडकर करीब 4 लाख रुपये का सोने-चांदी का जेवरात, तीन हजार रुपये नकद और दो सीसीटीवी कैमरा चोरी करके ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम बचवार निवासी अर्पण कुमार उरांव पिता जगेश्वर राम 42 वर्ष, 31 दिसम्बर को सुबह 10 बजे अपनी पत्नि के साथ अपने कार्यस्थल स्कूल गए थे। दोपहर 2 बजे घर आने के बाद पुन: स्कूल चले गये। शाम करीब 4.30 बजे जब वे अपनी पत्नि रंजीता के साथ घर वापस आए तो अज्ञात व्यक्ति उसके घर के दरवाजे को तोड़कर घर में घुस गया और घर में रखे दो अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे सोने के जेवरों में एक हार लगभग 2.5 तोला, एक चेन एक तोला, झुमका दो नग दो तोला, छोटा झुमका एक नग लगभग 0.7 ग्राम, अंगूठी तीन नग 1.5 तोला, मंगलसूत्र दो नग लगभग दो तोला, नोज पिन एक नग, चांदी के जेवरों में पायल तीन नग, सिक्का तीन नग, छल्ला एक नग, बिछिया छह नग, दो सीसीटीवी कैमरा और नकद राशि तीन हजार रुपये चोरी कर लिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर